घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 298- सोमवार 31- अगस्त 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

पीएम मोदी को उज्बेकिस्तान का सर्वोच्च सम्मान...यह उन्हें मिला 36वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान

भारत और उज्बेकिस्तान के बीच 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' का नया अध्याय : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

ताशकंद (उज्बेकिस्तान),30 अगस्त 2026। उज्बेकिस्तान के दौरे पर गए पीएम मोदी को रविवार को राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने अपने देश के सर्वोच्च राज्य सम्मान'ओली दाराजली दोस्लिक'से सम्मानित किया। उज्बेक भाषा के इस शब्द का मतलब है...उच्च स्तरीय मित्रता। यह पीएम मोदी को मिला 36वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। इससे पहले दोनों नेताओं के बीच ताशकंद में द्विपक्षीय बैठक हुई। बैठक में भारत-उज्बेकिस्तान के बीच यूरेनियम सप्लाई पर चर्चा हुई। मोदी ने कहा,'हम यूरेनियम की आपूर्ति के लिए भी एक रणनीति के साथ आगे बढ़ेंगे और एक व्यवस्था बनाएंगे। उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव ने कहा,आपके नेतृत्व में भारत सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है। आपके करीबी मित्र के तौर पर हम निश्चित रूप से इन सभी उपलब्धियों को देखकर बहुत खुश हैं। पीएम मोदी दो दिन के उज्बेकिस्तान दौरे पर हैं। उन्होंने रविवार सुबह ताशकंद में एक योग सेशन में हिस्सा लिया। पीएम ने वहां मौजूद लोगों को योग करना भी सिखाया। ताशकंद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा,'उज्बेकिस्तान मध्य एशिया के केंद्र में है और इस क्षेत्र के साथ भारत के जुड़ाव के भी केंद्र में है। भारत और उज्बेकिस्तान की सोच और आकांक्षाओं में गहरी समानताएं हैं। युवा, नवाचार, समावेशी विकास और आधुनिक तकनीक यंग उज्बेकिस्तान और विकसित भारत 2047 दोनों के मूल में हैं। इसी साझा दृष्टिकोण का पालन करते हुए हम दोनों देशों के लोगों के कल्याण के लिए लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह वर्ष हमारी रणनीतिक साझेदारी के 15 वर्ष पूरे होने का प्रतीक है। इस विशेष अवसर पर हमने अपने संबंधों को 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' में बदलने का निर्णय लिया है। आज हमने अपनी साझेदारी के इस नए रूप में तेजी से और ठोस परिणामों के साथ आगे बढ़ने के लिए एक महत्वाकांक्षी एजेंडा तैयार किया है। हमारा द्विपक्षीय व्यापार एक अरब डॉलर को पार कर गया है। अब हमने 2030 तक पांच अरब डॉलर के व्यापार का लक्ष्य रखा है। पीएम मोदी ने कहा कि इस वर्ष भारत और उज्बेकिस्तान अपनी रणनीतिक साझेदारी की 15वीं वर्षगांठ भी मना रहे हैं। उन्होंने घोषणा की कि दोनों देश अब अपने संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस नई रूपरेखा के तहत दोनों देश सहयोग के लिए ठोस लक्ष्य तय कर आगे बढ़ेंगे। पीएम मोदी ने बताया कि दोनों देशों के बीच सहयोग के सभी क्षेत्रों को दिशा देने के लिए विदेश मंत्री स्तर पर एक समन्वय परिषद स्थापित की जाएगी। साथ ही संयुक्त आयोग को सचिव स्तर से बढ़ाकर मंत्री स्तर का किया जाएगा। दोनों देशों के कारोबारी नेताओं की भागीदारी वाला एक संयुक्त बिजनेस समिट भी आयोजित किया जाएगा।**

उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने कहा कि हमारी बातचीत के दौरान, हमने ऐसे नए क्षेत्रों की पहचान की है जहां हम अपनी मौजूदा क्षमता का पूरा इस्तेमाल कर सकते हैं। हमारा लक्ष्य ऊर्जा,संस्कृति,महत्वपूर्ण खनिजों, फार्मा स्यूटिकल्स,आभूषण और कृषि जैसे क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाना है। हम इन सभी क्षेत्रों के लिए रोडमैप तैयार करेंगे। भारत से खास टीमें यहां आएंगी।

यूरेनियम आपूर्ति के लिए दीर्घकालिक व्यवस्था

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देश यूरेनियम की दीर्घकालिक आपूर्ति के लिए भी व्यवस्था स्थापित करेंगे। इसके अलावा तीन सिस्टर-सिटी और सिस्टर-स्टेट समझौतों को औपचारिक रूप दिया जा रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि इन समझौतों की क्षमता का पूरा लाभ उठाने के लिए रोडमैप तैयार किया जाना चाहिए।

खेती और स्वास्थ्य के क्षेत्र में हमारी ताकतें एक-दूसरे की पूरक

पीएम मोदी ने आगे कहा कि हम इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट में आपसी फायदे वाले सहयोग को बढ़ाने के लिए मिलकर काम करेंगे। डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर,एआई, जरूरी मिनरल्स,क्लीन एनर्जी,स्पेस और न्यूक्लियर एनर्जी जैसे क्षेत्रों में सहयोग हमारे रिश्तों को भविष्य के लिए तैयार कर रहा है। खेती और स्वास्थ्य के क्षेत्र में हमारी ताकतें एक-दूसरे की पूरक हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बागवानी में उज्बेकिस्तान के अनुभव और भारत की आधुनिक खेती की तकनीकों को मिलाकर, हम दोनों देशों की खाद्य सुरक्षा में योगदान देंगे। उज्बेकिस्तान की औषधीय जड़ी-बूटियां और आयुर्वेद में भारत की विशेषज्ञता एक स्वाभाविक मेल बनाती हैं। पारंपरिक चिकित्सा को लेकर आज हुए समझौते हमारी संयुक्त कोशिशों को और मज़बूत करेंगे। हमारा मकसद यह पक्का करना है कि हमारी साझेदारी सिर्फ़ हमारी राष्ट्रीय राजधानियों तक ही सीमित न रहे।

नेपाल में अब तक 804 मौतें

नेपाल में हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स की सुरंगों में 898 कर्मचारी फंसे,6 इंच छेद कर पाइप से हवा पहुंचाई

काठमांडू,30 अगस्त 2026। नेपाल में बाढ़ के बाद हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स की सुरंगों में फंसे कर्मचारियों को बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन तेज कर दिया गया है। करीब 898 कर्मचारी अब भी फंसे हैं,जबकि 361 कर्मचारियों को अब तक बचाया जा चुका है। त्रिशूली-3 'ए' हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की सुरंग में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन में कुछ कामयाबी मिली है। बचावकर्मी मशीनों की मदद से मिट्टी और गाद हटा रहे हैं। सुरंग में 6 इंच का छेद कर पाइप के जरिए हवा पहुंचाई जा रही है। अब इसे बड़ा कर मैनहोल बनाने की तैयारी है,ताकि बचाव दल सुरंग के अंदर जाकर लोगों की तलाश कर सके। 26 अगस्त को नेपाल की भोटेकोशी और त्रिशुली नदी में अचानक बाढ़ आ गई थी। इस आपदा में नेपाल में अब तक 804 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं,तिब्बत में मरने वालों का आंकड़ा 16 पहुंच गया है। नेपाल में आई बाढ़ के बाद 85 अमेरिकी नागरिकों का अब तक पता नहीं चल पाया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने बताया कि 9 अमेरिकी नागरिकों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। उन्होंने कहा कि फिलहाल किसी अमेरिकी नागरिक की मौत की खबर नहीं है। हालांकि,प्रभावित इलाके बेहद दूरदराज के हैं और बाढ़ से भारी तबाही हुई है,जिससे सही जानकारी जुटाना मुश्किल हो रहा है। नेपाल के विदेश मंत्री ने कहा है कि भीषण बाढ़ से हुए नुकसान का आंकड़ा अरबों डॉलर तक पहुंच सकता है। हालांकि,उन्होंने कहा कि इस स्तर पर नुकसान का अनुमान लगाना जल्दबाजी होगी।

इस बीच कई देशों ने नेपाल के लिए आर्थिक और मानवीय मदद का ऐलान किया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर के मुताबिक, भारत से राहत सामग्री लेकर तीसरी उड़ान शुक्रवार को काठमांडू पहुंची। इसमें 10 टन मानवीय सहायता के साथ 11 सदस्यीय मेडिकल और सुरंग बचाव टीम भी शामिल थी। प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम ने 50 लाख पाउंड की मदद का ऐलान किया है। उन्होंने नेपाल की स्थिति को बेहद चिंताजनक और भयावह बताया। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने 20 लाख यूरो की तत्काल मानवीय सहायता देने की घोषणा की है। इस मदद का इस्तेमाल लोगों तक जरूरी राहत सामग्री पहुंचाने में किया जाएगा।

त्रिशूली-3 'ए' सुरंग के अंदर जाने का रास्ता मिला

त्रिशूली-3 'ए' प्रोजेक्ट की सुरंग में फंसे लोगों तक पहुंचने के लिए बचाव अभियान जारी है। रेस्क्यू टीम सुरंग के एक दूसरे रास्ते से अंदर जाने की कोशिश कर रही है। टीम को सुरंग का ऊपरी हिस्सा मिल गया है। उसे खोलने के लिए मशीनों से खुदाई की जा रही है। रास्ता साफ और सुरक्षित होने के बाद रेस्क्यू टीम सुरंग के अंदर जाएगी और तलाश अभियान आगे बढ़ाएगी।

आतंकी पोर्न वेबसाइट्स पर सीक्रेट चैटिंग कर रहे

पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स इसी पर मैसेज भेजते एन्क्रिप्टेड ऐप्स के जरिए पहचान छिपाने की कोशिश

श्रीनगर,30 अगस्त 2026। पाकिस्तान में बैठे आतंकी सीक्रेट चैटिंग के लिए अब पोर्न वेबसाइट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। सुरक्षा अधिकारियों ने रविवार को बताया कि आतंकी संगठन और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI इसका सबसे ज्यादा यूज कर रहे हैं,आतंकी इसके जरिए जम्मू-कश्मीर में भर्ती किए गए लोगों तक मैसेज पहुंचा रहे हैं। ताकि पारंपरिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर निगरानी से बचा जा सके। अधिकारियों ने बताया कि इन पोर्नोग्राफी प्लेटफॉर्म पर रियल-टाइम चैट टूल मौजूद होते हैं। जो आसपास डेट (पार्टनर) ढूंढने में मदद करने के नाम पर काम करते हैं। लेकिन हैंडलर्स इनका इस्तेमाल आतंकी गतिविधि के लिए कर रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने कई खास डिजिटल टूल्स की जांच शुरू की है। आतंकी हैंडलर कोटेक्स और कोनियन जैसे टोर आधारित मैसेजिंग ऐप्स का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। ये ऐप्स डेटा को एन्क्रिप्टेड नोड्स के जरिए भेजते हैं और यूजर की पहचान छिपाते हैं। अधिकारियों के मुताबिक,भारत में कोनियन की एपीके फाइल तक पहुंच पर रोक है। एपीके

यानी एंड्रॉयड पैकेज किट वह फाइल फॉर्मेट है, जिसका इस्तेमाल एंड्रॉयड ऑपरेटिंग सिस्टम मोबाइल ऐप्स को बांटने और इंस्टॉल करने के लिए करता है। इसके अलावा, आतंकी फ्रांस बेस्ड ऐसे ऐप का भी इस्तेमाल कर रहे हैं,जिसमें सिम कार्ड या फोन नंबर की जरूरत के बिना एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग की सुविधा है। इससे यूजर की पहचान करना मुश्किल हो जाता है। एजेंसियां वियतनाम आधारित ऐप्स की भी निगरानी कर रही हैं।

आधुनिक तकनीक के साथ कुशल मानव संसाधन विकसित करना समय की आवश्यकता : राजनाथ सिंह

लखनऊ,30 अगस्त 2026। उत्तर प्रदेश में कौशल विकास, औद्योगिक आवश्यकताओं और युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों को आपस में जोड़ने के उद्देश्य से रविवार को लखनऊ के ताज पैलेस, विभूति खंड,गोमती नगर में पीएम-सेतु उद्योग सम्मेलन-उत्तर प्रदेश सहभागिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज किसी भी देश के विकास के लिए मानव संसाधन सबसे महत्वपूर्ण आधार है। भारत को वैश्विक विनिर्माण और प्रौद्योगिकी महाशक्ति बनाने की दिशा में देश की यात्रा कुशल मानव संसाधन की उपलब्धता पर निर्भर करेगी। कोई

भी देश दुनिया की अत्याधुनिक मशीनें खरीद सकता है,लेकिन जब तक उन्हें कुशलतापूर्वक संचालित करने वाला प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध नहीं होगा,तब तक तकनीक का पूरा लाभ नहीं मिल सकता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत की जनसांख्यिकीय शक्ति को जनसांख्यिकीय लाभांश तथा उत्पादक लाभांश में परिवर्तित करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहे हैं। रक्षा विनिर्माण, एयरोस्पेस, इलेक्ट्रॉनिक्स, ड्रोन, रोबोटिक्स, प्रिसिजन इंजीनियरिंग और ऑटोमेशन जैसे क्षेत्रों में तेजी से हो रहे तकनीकी बदलावों के लिए भविष्य के अनुरूप कुशल कार्यबल आवश्यक है। राजनाथ सिंह ने कहा कि पीएम-सेतु के माध्यम से सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को आधुनिक सुविधाओं, प्रयोगशालाओं,डिजिटल शिक्षण व्यवस्था तथा नवीनतम पाठ्यक्रम से युक्त किया जा रहा है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के विनिर्माण एवं रक्षा उत्पादन केंद्र के रूप में उभरने और रक्षा औद्योगिक गलियारे (डिफेंस कॉरिडोर) की सराहना करते हुए उद्योग जगत से आह्वान किया कि वे पीएम-सेतु को केवल सरकारी योजना न मानकर एक साझा राष्ट्रीय मिशन के रूप में देखें तथा रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम इसमें सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पीएम-सेतु की सफलता का आकलन केवल स्थापित मशीनों से नहीं,बल्कि इससे सृजित रोजगार के अवसरों से होना चाहिए।

भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने कहा कि पीएम-सेतु सरकार, उद्योग और प्रशिक्षण संस्थानों के बीच नई साझेदारी का मॉडल प्रस्तुत करता है। इसका उद्देश्य प्रशिक्षण और रोजगार के बीच की खाई को पाटना है। उन्होंने उद्योगों से आह्वान किया कि वे केवल सीएसआर पहलों तक सीमित न रहकर आईटीआई क्लस्टरों के विकास, शासन और संचालन का सक्रिय स्वामित्व लें तथा आईटीआई की जिम्मेदारी निभाएं।

तुर्किये जा रही फेरी बोट समुद्र में पलटी

7 की मौत,24 लापता,270 यात्री सवार थे बोट के ऊपर चढ़कर जान बचाई

अंकारा/निकोसिया,30 अगस्त 2026। मेडिटेरियन सी में तुर्किये जा रही फेरी बोट रविवार को समुद्र में पलट गई। यह फेरी यूरोपीय देश साइप्रस के उत्तरी तट से 270 से ज्यादा यात्रियों के साथ रवाना हुई थी। तुर्किये की मीडिया के मुताबिक,हादसे में कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई है। उत्तरी साइप्रस के प्रधानमंत्री उनाल उस्तेल ने बताया कि अब तक 237 लोगों को बचा लिया गया है। कई यात्रियों ने पलटी बोट के ऊपर चढ़कर अपनी जान बचाने की कोशिश की थी। वहीं,24 अन्य लोगों की तलाश के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। उन्होंने बताया कि खराब मौसम के बीच फेरी रवाना हुई थी और निकलने के करीब 15 मिनट बाद उसमें पानी भरने लगा। इसके बाद यह हादसा हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक, राहत और बचाव दल मौके पर लगातार जुटे हुए हैं। तुर्किये मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक,उत्तरी साइप्रस तट से करीब 7.5 किमी दूर ही यह हादसा हुआ। कैटामरैन शैली की यह फेरी मर्सिन प्रांत के तुर्किये पोर्ट तासुकु जा रही थी। यह उत्तरी साइप्रस के काइरेनिया पोर्ट से रवाना हुई थी। कैटामरैन एक खास तरह की नाव या फेरी होती है। इसकी सबसे बड़ी पहचान यह है कि इसमें नीचे दो समानांतर हिस्से (हुल) होते हैं। यही डिजाइन इसे पानी में ज्यादा स्थिर रखने में मदद करता है। लेकिन यह पूरी तरह पलटने के खतरे से सुरक्षित नहीं होता। बहुत खराब मौसम, तेज हवाओं और ऊंची लहरों में गलत तरीके से चलाने पर इसके पलटने का खतरा हो सकता है।

नीट-पीजी में तकनीकी अव्यवस्था : जयपुर के दो केंद्रों पर परीक्षा रद्द,केंद्र के बाहर प्रदर्शन,5 सितंबर को फिर होगी परीक्षा

बिजली आपूर्ति में खराबी से बार-बार बंद हुए कंप्यूटर,करीब 2500 अभ्यर्थी हुए प्रभावित...

जयपुर,30 अगस्त 2026। डॉक्टर बनने के बाद विशेषज्ञता की अगली सीढ़ी के लिए रविवार को आयोजित नीट-पीजी परीक्षा जयपुर के करीब 2500 अभ्यर्थियों के लिए परेशानी का सबब बन गई। सीतापुरा स्थित आईओएन डिजिटल जोन के दो परीक्षा केंद्रों पर आंतरिक विद्युत आपूर्ति में खराबी के चलते कंप्यूटर सिस्टम बार-बार बंद होते रहे। तकनीकी अव्यवस्था से नाराज अभ्यर्थियों ने परीक्षा केंद्र के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। स्थिति को देखते हुए दोनों केंद्रों की परीक्षा रद्द कर दी गई। अब प्रभावित अभ्यर्थियों की पुनः परीक्षा 5 सितंबर को कराई जाएगी। देशभर में रविवार को 1,111 केंद्रों पर 2.63 लाख से अधिक अभ्यर्थियों के लिए नीट-पीजी परीक्षा आयोजित की गई। जयपुर के सीतापुरा स्थित परीक्षा केंद्र संख्या 41682 और 41683 पर अभ्यर्थियों को शुरुआत से ही तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ा। अभ्यर्थियों के अनुसार परीक्षा सुबह 9 बजे शुरू होनी थी, लेकिन तकनीकी खराबी के चलते

कई अभ्यर्थियों की परीक्षा करीब 10 बजे शुरू हो सकी। इसके बाद भी कंप्यूटर सिस्टम लगातार बाधित होते रहे। कई अभ्यर्थियों का दावा है कि करीब दो घंटे के दौरान कंप्यूटर कई बार बंद हुए। कुछ अभ्यर्थियों की स्क्रीन पर तीन-चार प्रश्न आने के बाद सिस्टम बंद हो गया, जबकि कुछ के कंप्यूटर पर पांच-छह प्रश्न आने के बाद तकनीकी समस्या उत्पन्न हो गई। बार-बार सिस्टम बंद होने से अभ्यर्थियों का समय और एकाग्रता दोनों प्रभावित हुए। कई परीक्षार्थियों ने केंद्र अधिकारियों को बुलाकर समस्या का समाधान कराने की मांग की। तकनीकी गड़बड़ी के बीच कुछ अभ्यर्थियों ने परीक्षा प्रक्रिया की निष्पक्षता और गोपनीयता को लेकर भी सवाल उठाए तथा पूरे मामले की जांच की मांग की। परीक्षा समाप्त होने के बाद बड़ी संख्या में अभ्यर्थी केंद्र के बाहर एकत्र हो गए और विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि परीक्षा के दौरान हुई परेशानी को लेकर जब उन्होंने शिकायत दर्ज कराने और विरोध जारी रखने की बात कही तो उन्हें कार्रवाई की चेतावनी दी गई। हालांकि, परीक्षा में अनियमितता या प्रश्नपत्र से जुड़ी किसी गड़बड़ी की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सामने आई समस्या को फिलहाल तकनीकी खराबी और आंतरिक विद्युत आपूर्ति में व्यवधान से जोड़ा गया है।

5 सितंबर को दोबारा होगी परीक्षा : मामले की गंभीरता को देखते हुए राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड ने प्रभावित अभ्यर्थियों को राहत देते हुए दोनों केंद्रों की परीक्षा रद्द कर पुनः परीक्षा कराने का फैसला किया है। बोर्ड के अनुसार, आईओएन डिजिटल जोन सीतापुरा के केंद्र संख्या 41682 और 41683 पर आंतरिक विद्युत आपूर्ति में खराबी के कारण परीक्षा पूरी नहीं हो सकी। अब इन दोनों केंद्रों से प्रभावित सभी अभ्यर्थियों की पुनः परीक्षा 5 सितंबर, शनिवार को दोपहर 3 बजे जयपुर में आयोजित की जाएगी। इसके लिए नया परीक्षा केंद्र, संशोधित प्रवेश पत्र और अन्य आवश्यक जानकारी अलग से जारी की जाएगी। एनबीई ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल बैठक बुलाने का निर्णय किया है। बैठक में तकनीकी साझेदार और परीक्षा केंद्र पर पर्याप्त बुनियादी ढांचा सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार एजेंसी की भूमिका की समीक्षा की जाएगी।

मन की बात का 137वां एपिसोड..

युवा नशा मुक्ति थीम पर कंटेंट बनाएं,इस बार 8 करोड़ तिरंगा सेल्फी अपलोड की गईं : पीएम मोदी

नई दिल्ली,30 अगस्त 2026। मन की बात' का 137वां एपिसोड प्रसारित हो रहा है। पीएम ने कहा कि मन की बात नए प्रयासों सामने लाने का मंच है। उन्होंने युवाओं से नशा मुक्त भारत अभियान को प्रमोट करने की अपील की। उन्होंने युवाओं से नशा मुक्ति जागरूकता से जुड़ा कंटेंट बनाने को कहा। पीएम ने कहा कि इस बार 8 करोड़ से अधिक तिरंगा सेल्फी अपलोड की गई और 'सूर्यपथ तिरंगा' के जरिए फिजी से लेकर दुनिया भर में तिरंगा शान से फहराया गया। फिजी के सुवा में सूर्य की पहली किरणों के साथ तिरंगा फहराया गया। इसके बाद, तिरंगा एशिया, अफ्रीका, यूरोप और फिर अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में भारतीय मिशनों और चौकियों पर लहराता रहा। उन्होंने आगे कहा कि कहा कि देश में एवाकाडो की मांग तेजी से बढ़ रही है और किसान इसकी खेती से शानदार कमाई कर रहे हैं। आंध्र प्रदेश के कडपा में किसान वरदराज ने 4 टन एवोकाडो का उत्पादन कर स्थानीय बाजार में सप्लाई किया।

गंगा घाट की सफाई : पीएम मोदी ने कहा कि स्वच्छता का संकल्प लोगों की अपनी आदत

बन जाए तो पूरी जगह की पहचान बदल जाती है। उन्होंने यूपी के रामपुर स्थित पटवाई गांव के आकाश और रोहन का उदाहरण दिया, जिन्होंने 'क्लीन-अप पटवाई' टीम बनाकर युवाओं के साथ मिलकर चार गंगा घाटों की सफाई की, कई तालाब संवारे और एक टन से अधिक प्लास्टिक कचरा हटाया।

मिशन शक्तिसैट : पीएम मोदी बोले कि आज बेटियों के सपनों की उड़ान अंतरिक्ष तक पहुंच रही है। भारत के 'मिशन शक्तिसैट' के जरिए 108 देशों की 12 हजार छात्राओं को सैटेलाइट टेक्नोलॉजी सीखने और इनोवेशन का मौका मिल रहा है। उन्होंने बताया कि 23 अगस्त को 'नेशनल स्पेस डे' पर इसकी एक खूबसूरत तस्वीर ग्रेटर नोएडा में देखने को मिली।

संपादकीय

रोजगारपरक शिक्षा का अभाव

कौशल विकास पर नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट के कई निष्कर्ष चिंतित करने वाले हैं। इन दिनों युवाओं के हित की चिंता करती दिख रहीं केंद्र और राज्य सरकारों को इन निष्कर्षों पर गंभीरता से ध्यान देना होगा। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार देश में जो नौकरियां सृजित हो रही हैं,उनके अनुरूप जैसी शिक्षा की आवश्यकता है,उसमें अनेक खामियां हैं।

इस रिपोर्ट के अनुसार 15 से 29 वर्ष के लगभग 8.7 करोड़ युवा न तो पढ़ाई कर रहे हैं,न रोजगार में हैं और न ही किसी तरह का प्रशिक्षण ले रहे हैं। इन्हें एनईईटी यानी नाट इन एजुकेशन, एम्पलायमेंट एंड ट्रेनिंग श्रेणी में रखा गया है। कुछ युवा लंबे समय तक रोजगार न मिल पाने के कारण एनईईटी श्रेणी में चले जाते हैं।

नीति आयोग के अनुसार कौशल विकास माडल को केवल प्रशिक्षण देने तक सीमित रखने के बजाय उसे रोजगार और करियर से जोड़ा जाना चाहिए। नीति आयोग ने यह पाया कि केवल 8.25 प्रतिशत स्नातक ऐसा काम कर रहे हैं,जो उनकी योग्यता के अनुरूप है। इसका मतलब है कि अधिकांश युवाओं को अपनी योग्यता के हिसाब से नौकरियां नहीं मिल रही हैं। इसका कारण यही हो सकता है कि कारोबार जगत के पास जैसी नौकरियां हैं,उनके लायक युवा नहीं निखर पा रहे हैं।

आयोग के अनुसार समस्या सिर्फ बेरोजगारी की नहीं है,बल्कि पढ़ाई रोजगार के लिए जरूरी कौशल और उद्योग की जरूरतों के बीच तालमेल के अभाव की भी है। आयोग ने कमजोर व्यावहारिक अनुभव,उद्योग से कम जुड़ाव, सतही इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप एवं करियर गाइडेंस की कमी को प्रमुख चुनौतियों में गिना है। सरकारों को इन चुनौतियों का सामना करने के लिए आगे आना होगा। आयोग ने स्कूलों के स्तर से ही उद्यमिता कौशल विकसित करने और रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करने का जो सुझाव दिया है, वह नया नहीं है। कठिनाई यह है कि ऐसे सुझावों पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

यह समय की मांग है कि छात्रों को स्कूल स्तर से ही रोजगार और उद्यमिता से जुड़े कौशल से लैस किया जाए। भले ही केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 में विभिन्न मंत्रालयों के माध्यम से कौशल विकास से जुड़े कार्यक्रमों के लिए लगभग 34 हजार करोड़ का प्रविधान किया हो,लेकिन नीति आयोग का मानना है कि प्रशिक्षण की पहुंच और रोजगार के परिणामों में अभी बड़ा अंतर है।

इस अंतर को पाटे बिना बात बनने वाली नहीं है। कौशल विकास के मामले में यह बात सामने आ रही है कि जिन संस्थाओं पर इसकी जिम्मेदारी है,वे अपना काम सही ढंग से नहीं कर पा रही हैं। इसका अर्थ है कि वे कौशल विकास के नाम पर खानापूरी कर रही हैं। कौशल विकास का काम तब तक सही तरह से नहीं होने वाला,जब तक योग्य प्रशिक्षकों की सेवाएं लेना सुनिश्चित नहीं किया जाता। कौशल विकास कार्यक्रमों की गुणवत्ता के साथ प्रशिक्षकों की गुणवत्ता पर भी गंभीरता से ध्यान देना होगा। नीति आयोग के अनुसार जो युवा बीए,बीकाम की डिग्री लेकर नौकरी तलाश रहे हैं, उनके लिए कोई खास नौकरियां सामने नहीं आ रही हैं। इन डिग्रियों का नौकरी से सीधा जुड़ाव कमजोर है। कई छात्र इन डिग्रियों को इसलिए चुनते हैं,ताकि इनके जरिये सरकारी नौकरियों के लिए आवेदन करने की पात्रता मिल जाए। अब जब यह स्पष्ट है कि बीए,बीकाम और बीएससी की डिग्रियां सीधे रोजगार में नहीं बदलतीं तो फिर इनके पाठ्यक्रम में परिवर्तन किया जाना चाहिए।

आयोग ने सामान्य डिग्री कार्यक्रमों को रोजगार से जोड़ने के लिए जाब-लिंक्ड स्पेशलाइजेशन, इंडस्ट्री से जुड़े पाठ्यक्रम और वर्क-इंटीग्रेटेड डिग्री कार्यक्रम बढ़ाने का जो सुझाव दिया, उस पर अमल में देर नहीं होनी चाहिए। यह एक सही सुझाव है कि बीकाम के साथ एनालिटिक्स या डिजिटल मार्केटिंग, बीए के साथ रिटेल या हास्पिटैलिटी और बीएससी के साथ एप्लाइड टेक्नोलाजी जैसे विकल्प विकसित किए जा सकते हैं।

मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने हाल में कहा था कि साफ्टवेयर नौकरियां और एमबीए डिग्री का दौर अब खत्म हो रहा है और वेल्डिंग,प्लंबिंग और बढ़ईगीरी जैसे ट्रेड स्किल्स को अधिक महत्व देना चाहिए। महज डिग्री लेने से कुछ बदलने वाला नहीं। इसलिए बेहतर होगा कि युवा किसी न किसी कौशल से लैस हों। इसी तरह वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी कहा था कि मौजूदा विश्वविद्यालयी पाठ्यक्रम छात्रों को न तो नौकरी के लिए पर्याप्त रूप से तैयार करते हैं और न ही उद्यमी बनने के लिए।

यह ठीक है कि सरकार एआइ के व्यापक प्रभावों से परिचित है और इसके लिए आवश्यक तैयारी भी कर रही है,लेकिन उसे यह भी पता होना चाहिए कि एआइ का असर मौजूदा नौकरियों पर भी पड़ना शुरू हो गया है। ऐसे में यह आवश्यक है कि नौकरी पाने के इच्छुक या नई नौकरी में जा रहे युवाओं को भी एआइ के कौशल से लैस किया जाए। यह एक विडंबना ही है कि इतनी बड़ी आबादी वाले देश में हम ऐसी शिक्षा व्यवस्था निर्मित नहीं कर सके हैं कि छात्र या तो किसी नौकरी के लिए तैयार होकर निकलें या फिर अपना काम शुरू करने की क्षमता हासिल कर सकें।

जबसे काकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के कारण शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को त्यागपत्र देना पड़ा,तबसे लगातार ऐसी खबरें आ रही हैं कि भारत में शिक्षा पर जैसा ध्यान दिया जाना चाहिए था,वैसा नही दिया गया, लेकिन इसमें अकेले केंद्र सरकार की कमी नहीं। राज्यों के स्तर पर भी शिक्षा पर सही तरह ध्यान नहीं दिया जा रहा है,खास तौर से उत्तर भारत में। पिछले दिनों जब काकरोच जनता पार्टी ने राजस्थान के स्कूलों की जर्जर हालत की पोल खोली,तब राज्य सरकार द्वारा उनकी दशा सुधारने के लिए धनराशि जारी की गई। आखिर यह काम पहले क्यों नहीं हो सकता था?

स्कूली शिक्षा हो या कौशल विकास अथवा प्रशिक्षण के कार्यक्रम, इनकी पूरी जिम्मेदारी सरकारों को ही उठानी पड़ेगी। आज भारत की आर्थिक वृद्धि दर छह-सात प्रतिशत ही है। इसमें वृद्धि न हो पाने का एक कारण गुणवत्तापूर्ण एवं रोजगारपरक शिक्षा की कमी भी है। अब जब विकसित भारत की बात हो रही है तब शिक्षा पर समुचित ध्यान न देना एक बड़ी गलती ही होगी।

जापान चला यू0पी0 की ओर :जेवर के पास आकार लेती देश की पहली आधुनिक जापान सिटी

दुर्गेश्वर राय
गोरखपुर,
उत्तरप्रदेश

उत्तर प्रदेश की औद्योगिक विकास यात्रा एक नए और ऐतिहासिक मोड़ पर पहुँच चुकी है। देश की सबसे बड़ी आबादी वाला यह राज्य अब वैश्विक महाशक्तियों के हाई-टेक विनिर्माण का मुख्य केंद्र बनने जा रहा है। इसी दिशा में सबसे बड़ा और प्रभावी कदम है यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में विकसित होने वाली विशेष जापानी औद्यो गिक टाउनशिप,जिसे सामान्य बोल चाल में जापान सिटी कहा जा रहा है। जापानी तक नीक,सटीकता,अनुशासन और उत्तर प्रदेश के विशाल संसाधन तथा अनुकूल नीतियों का यह संगम भारतीय अर्थव्यवस्था को एक नई गति देने के लिए तैयार है। यह परियोजना राज्य को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के संकल्प को धरातल पर उतारने में एक मील का पत्थर सिद्ध होगी।

यह महत्वाकांक्षी परियोजना राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से सटे गौतमबुद्ध नगर जिले में यमुना एक्सप्रेसवे के सेक्टर 5-ए और उसके आसपास के लगभग 500 एकड़ से अधिक क्षेत्र में विकसित की जा रही है। इसकी सबसे बड़ी शक्ति इसकी रणनीतिक भौगोलिक स्थिति है। यह सीधे तौर पर नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर के सबसे निकटवर्ती औद्योगिक क्षेत्र में स्थित है। वैश्विक निवेशकों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए किसी भी स्थान का चयन करते समय सबसे पहला मानक उसकी कनेक्टिविटी होती है। इस मामले में यह टाउनशिप विश्वस्तरीय मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट नेटवर्क से पूरी तरह आच्छादित है। यहाँ से जेवर एयरपोर्ट की दूरी मात्र कुछ मिनटों की है, जिससे अंतरराष्ट्रीय कार्गो और विदेशी प्रतिनिधियों का आवागमन सुगम रहेगा। सड़क मार्ग के लिहाज से यह यमुना एक्सप्रेसवे,ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे और प्रस्तावित दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे लिंक से सीधे जुड़ी है। रेल कनेक्टिविटी के लिए इसे डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर और दिल्ली-वाराणसी हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के प्रस्तावित स्टेशन से जोड़ने की रूपरेखा तय की गई है। इसके अतिरिक्त,जेवर से दिल्ली और अन्य एनसीआर क्षेत्रों के लिए रैपिड रेल और मेट्रो का विस्तार भी इस पूरे परिक्षेत्र को निर्बाध गतिशीलता प्रदान करेगा।

जापान सिटी की सबसे अनूठी विशेषता इसकी बनावट है। यह पूरी तरह से आत्मनिर्भर इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप होगी। जापानी कार्यसंस्कृति और जीवनशैली को ध्यान में रखते हुए इसे वॉक टू वर्क की अवधारणा पर विकसित किया जा रहा है। इसका अर्थ यह है कि यहाँ काम करने वाले जापानी नागरिकों,विशेषज्ञों,इंजीनियरों और भार तीय कामगारों के लिए कार्यस्थल के समीप ही आवास,उच्चस्तरीय अंतर राष्ट्रीय स्कूल,जापानी व्यंजनों वाले आधुनिक रेस्टोरेंट,अस्पताल,गोल्फ कोर्स,सांस्कृतिक केंद्र और मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। यहाँ जापानी भाषा सहायता केंद्र और कम्युनिटी क्लब भी बनाए जा रहे हैं ताकि वहाँ से आने वाले परिवारों को अपनी संस्कृति और परिवेश का सहज अहसास हो सके।

इसके साथ ही,निवेशकों को आकर्षित करने के लिए इस टाउनशिप में प्लग एंड प्ले इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है। इसका मतलब यह है कि विदेशी कंपनियों को जमीन लेकर बुनियादी ढांचा तैयार करने में वर्षों का समय बर्बाद नहीं करना पड़ेगा। उन्हें पहले से तैयार शेड, चौबीसों घंटे निर्बाध बिजली,उच्च दबाव वाली जलापूर्ति,उन्नत सीवेज ट्रीटमेंट, हाई-स्पीड 5-जी ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी और तैयार प्रशासनिक स्वीकृतियां मिलेंगी। कंपनी केवल अपनी मशीनरी लगाएगी और उत्पादन तुरंत शुरू कर सकेगी।

इस हाई-टेक सिटी का मुख्य फोकस उन अत्याधुनिक क्षेत्रों पर है जिनमें जापान वैश्विक स्तर पर अग्रणी रहा है। इनमें सेमीकंडक्टर निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स,चिप डिजाइनिंग,ऑटो मोबाइल एवं इलेक्ट्रिक व्हीकल्स,एयरोस्पेस उपकरण,रक्षा निर्माण,रोबोटिक्स,आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित हार्डवेयर, प्रिसिजन इंजीनियरिंग और अत्याधुनिक मेडिकल डिवाइसेज शामिल हैं। इन क्षेत्रों की जापानी कंपनियों के यहाँ आने से उत्तर प्रदेश में अत्याधुनिक तकनीक का प्रवाह होगा और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में राज्य की हिस्सेदारी मजबूत होगी।

उत्तर प्रदेश सरकार ने इस परियोजना को सफल बनाने के लिए आकर्षक नीतियों और वित्तीय प्रोत्साहनों का एक मजबूत सुरक्षा कवच प्रदान किया है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और फॉर्च्यून-500 कंपनियों को आकर्षित करने के लिए विशेष एफडीआई नीति के तहत भूमि आवंटन पर 75 प्रतिशत तक की भारी सब्सिडी का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त,पूंजीगत व्यय पर विशेष कैपिटल सब्सिडी,प्लांट और मशीनरी की खरीद पर छूट,स्टाम्प शुल्क और पंजीकरण शुल्क में शत-प्रतिशत छूट दी जा रही है। उद्योगों को लगातार और स्थिर उत्पादन बनाए रखने के लिए चौबीसों घंटे बिना किसी रुकावट के बिजली आपूर्ति की वैधानिक गारंटी दी गई है,साथ ही विद्युत शुल्क में कई वर्षों तक की पूर्ण छूट का लाभ भी शामिल है। सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम निवेश मित्र और समर्पित रिलेशनशिप मैनेजर्स के माध्यम से निवेशकों को फाइलों के चक्कर से पूरी तरह मुक्त रखा गया है,ताकि सभी आवश्यक अनुमतियां समयबद्ध रूप से एक ही स्थान पर मिल सकें।

यह परियोजना धरातल पर तेजी से क्रियान्वित हो रही है। प्राधिकरण द्वारा भूमि का चिन्हांकन और अधिग्रहण पूरा किया जा चुका है और आंतरिक सड़कों, ड्रेनेज,पावर सब-स्टेशनों तथा कनेक्टिविटी कॉरिडोर का बुनियादी निर्माण कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। दर्जनों प्रमुख जापानी कंपनियों ने इस टाउनशिप में अपनी इकाइयां स्थापित करने के लिए सरकार के साथ सहमति पत्रों पर हस्ताक्षर किए हैं। जेवर एयरपोर्ट के चालू होने के समय चक्र के साथ सामंजस्य बिठाते हुए इस परियोजना के पहले चरण को वर्ष 2026 तक पूरी तरह क्रियान्वित और संचालित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

इसके पूर्ण रूप से विकसित होने पर उत्तर प्रदेश में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के नए अवसरों का सृजन होगा। स्थानीय युवाओं को विश्वस्तरीय जापानी तकनीक,कार्यसंस्कृति और प्रबंधन में प्रशिक्षित होने का अभूतपूर्व अवसर मिलेगा। इसके साथ ही,स्थानीय सहायक उद्योगों,पैकेजिंग,लॉजिस्टिक्स और छोटे विनिर्माताओं को बड़े पैमाने पर नए आर्डर मिलेंगे,जिससे क्षेत्रीय अर्थ व्यवस्था को जबर्दस्त उछाल प्राप्त होगा।

यह जापान सिटी उत्तर प्रदेश के वैश्विक औद्योगिक शक्ति बनने के आत्मविश्वास का प्रतीक है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

शांति के लिए नारायणोपनिषद की विशेषताएं

संजय गोस्वामी,पटना बिहार

आज युद्ध नेपाल में आपदा के कारण दुःख का माहौल है इस माहौल में मानवता सेवा और शांति की आवश्यकता है जिसके लिए भगवान नारायण से हाथ जोड़ कर विनती करते हैं आप इस पीड़ा को हरे इसका वर्णन नारायणोपनिषद में है नारायणोपनिषद कृष्ण यजुर्वेदीय शाखा से संबंधित एक लघु और महत्वपूर्ण उपनिषद है,जो संस्कृत भाषा में रचित है। इसमें भगवान नारायण को ही परम ब्रह्म,सर्वव्यापक परमात्मा और सृष्टि का मूल आधार बताया गया है। नारायणोपनिषद का मूल संस्कृत पाठ कृष्ण यजुर्वेदीय शाखा से संबंधित है और इसमें भगवान नारायण को सर्वोच्च माना गया है। मूल पाठ का सार यह है कि मंत्र (1-12) के श्लोक भगवान नारायण के सर्व व्यापकता का वर्णन करते हैं,जो हृदय के भीतर सूक्ष्म अग्नि के रूप में स्थित हैं। इसमें नारायण की महिमा बताई गई है: नारायण को सर्वव्यापक,अजन्मा और विश्व का आधार बताया गया है,जो ॐ नमो नारायणाय मंत्र का केंद्र हैं। फलश्रुति (अंतिम भाग): इस उपनिषद का पाठ करने वाला व्यक्ति सभी पापों से मुक्त होकर नारायण सायुज्य प्राप्त करता है। मुख्य विशेषताएं सर्वव्यापकता : इस उपनिषद के अनुसार ब्रह्मा,शिव,इंद्र और संपूर्ण जगत नारायण ही हैं। अष्टाक्षर मंत्र: इसमें ॐ नमो नारायणाय इस आठ अक्षर वाले महामंत्र और उसके जप के महात्म्य का वर्णन है। मोक्ष प्राप्ति : इस उपनिषद का पाठ करने वाला व्यक्ति सभी पापों से मुक्त रूप विष्णु स्वरूप (नारायण सायुज्य) को प्राप्त करता है जो भगवान नारायण शाश्वत हैं। ब्रह्माजी भी नारायण हैं। भगवान निशि और दाराज भी नारायण हैं। समय और दिशाएँ भी नारायण हैं। दिशाएँ (दिशाओं के समुद्र तट) भी नारायण हैं। ऊपरी भाग भी नारायण है और निचला भाग भी नारायण है। इसलिए,बाहरी व्यक्ति भी नारायण है। जो कुछ भी हुआ है,जो हो रहा है और जो होने वाला है,वह सब भगवान नारायण ही हैं। नारायण ही एकमात्र मुक्त,आनंदमयी,बिना किसी विकल्प के, अवर्णनीय और शुद्ध देवता हैं। भगवान रुद्र का जन्म नारायण से हुआ है। नारायण के माध्यम से ही डेराज प्रकट हुए। नारायण के पेज भी अनुभव में आई। राजा अनादित्य का जन्म नारायण से हुआ। भगवान नारायण से बारह रुद्र,असिसु और संपूर्ण श्लोक प्रकट हुए। नारायण से प्रेरित होकर,हर कोई अपने-अपने काम में शामिल हो जाता है और एकमात्र भगवान नारायण में ही शामिल हो जाता है। यह ऋवैदिक उपनिषद का वर्णन है। ॐ। नारायण ही ब्रह्मा हैं,नारायण ही निशि हैं, नारायण ही इन्द्र हैं,नारायण ही आकाश और पृथ्वी हैं। नारायण ही काल हैं,नारायण ही नाद हैं। नारायण ही ऊर्ध्व (ऊपर) हैं,नारायण ही अधः (नीचे) हैं, नारायण ही बाहर हैं। नारायण ही शिव हैं। जो भूतकाल में था और जो भविष्य में होगा,वह सब नारायण ही हैं। वे निश्चल (बिना टुकड़ों के),निरंजन (दोषरहित), निर्विकल्प (बिना किसी विकल्प के),शुद्ध और एकमात्र नारायण हैं। वे ही विष्णु हैं, वे ही विष्णु हैं। नारायण ही एकमात्र मुक्त,मनोरंजन-अनिवार्य, निर्विकार,अवर्णनीय और शुद्ध देव हैं। अ,उ और म इन तीन मात्राओं से यह प्रत्यक्ष (ओंकार) स्वरूप आनंदमय और ब्रह्मपुरुष का प्राण-रूप है। ये अलग-अलग हैं, लेकिन इनमें से तीन मात्राओं के अद्भुत रूप को ही ओम कहा जाता है। इस ओम मंत्र का जाप करने से योगी-साधक जन्म-मृत्यु के बंधनों से मुक्त हो जाता है। जो व्यक्ति ओम नमो नारायणाय मंत्र का जाप करता है, वह वैकुंठ धाम जाता है। इसी वैकुंठ धाम को पुण्डरीक (हृदय-कमल) के रूप में जाना जाता है। वैसे,इसका स्वरूप परम प्रकाशमय और बिजली के समान है। ब्रह्ममय देवकीनंद भगवान श्री कृष्ण ही ब्राह्मण यानी ब्राह्मणों के आराध्य हैं। मधुसूदन,पुण्डरीकाक्ष और विष्णु-ये सभी अचूक और अज्ञानी हैं। हर आत्मा में केवल भगवान नारायण ही निवास करते हैं। वे सभी गुण के मूल (कारण-पुरुष) होने पर भी स्वयं कारण-रहित हैं। वे ही परम पुरुष हैं। पवित्र अक्षर ॐ के रूप में प्रकट होने से इस सार का अध्ययन और भोर में इस उपनिषद के पाठ से रात में पाप धोए जाते हैं। दोनों साध्य-कालों (भोर और शाम) में इसका पाठ करने से साधक पापों से मुक्त हो जाते हैं, यहाँ तक कि पिछले जन्मों के पापों से भी। दो में सूर्य देव की ओर से इसका पाठ करने से मनुष्य पाँच महापापों (महापातक) और छोटे पापों (उपपातक) से सदा के लिए मुक्त हो जाता है। इससे चारों वेदों के पाठ का पुण्य प्राप्त होता है और नश्वर शरीर त्यागने पर भगवान नारायण के साथ शाश्वत मिलन (सायुज्य) प्राप्त होता है। जो इस सत्य को जानता है,वह भी भगवान नारायण में अवतरित होता है। 77577 हे भगवान! आप सत्य,निजी और आनंद के स्वरूप हैं! मेरी वाणी मेरे मन में स्थित हो और मेरा मन मेरी वाणी में स्थित हो। हे प्रकाश के स्वामी! आप स्वयं को मेरे साथ प्रस्तुत करें। हे मन और वाणी! आप मेरे लिए वैदिक ज्ञान के भंडार। मैंने जो ज्ञान सुना है, वह कभी मुझसे दूर नहीं हो गया। मैं सदैव श्रेष्ठ शब्द बोलूं और केवल सत्य ही कहूं। वह परम सत्य (ब्रह्म) मेरी और मेरे गुरु की रक्षा करे। 77 ॐ शांति,शांति,शांति! 77 भगवान शांति के स्वरूप हैं; वे तीन प्रकार के पदार्थ हैं: भौतिक (आधिभौतिक), दैवीय (आधिदैविक) और आध्यात्मिक (आध्यात्मिक)... को पूरी तरह से शांत करें।जो अनंत सिरों वाला है (वही विश्वरूप जिससे सब लोकों की उत्पत्ति होती है,वही महेश्वर का शरीर है। इसलिए हमारी आत्माओं के सिर भी उन्हीं के सिर हैं। इसलिए वह महेश्वर अनंत सिरों वाला है। इसी तर्क से),अनंत नेत्रों वाला है,जिससे सब लोकों का सुख उत्पन्न होता है, वही विश्वशंभु,जगत् को देने वाला,नारायण (जो जगतों के कारण पाँच तत्वों में विद्यमान है),स्वयं प्रकाशित करने वाला,अक्षर,सबका कारण,परम और बुद्धिमानों को प्राप्त होने वाला है;उसी ब्रह्म (महेश्वर) का ध्यान करना चाहिए। सभी भौतिक श्रेणियों से ऊपर,वह परमात्मा अविनाशी,शाश्वत,सर्वव्यापी होने के कारण,ब्रह्मांड,दुनिया के कारण में स्थित होने के कारण नारायण है,और पाप और अज्ञान का नाश करने वाला होने के कारण हरि है;इसी तरह,अज्ञानी को जो कुछ भी दिखाई देता है,वह मूल रूप से परमात्मा ही है। वह परमात्मा इस ब्रह्मांड में रहता है यानी,अपने कामों के लिए इसमें (ब्रह्मांड में) शरण लेता है

पतिं विश्वस्याईत्मेश्वत शिवाम्चुत्मे भगवान का ध्यान करना चाहिए क्योंकि वे जगत के पालक हैं, भगवान क्योंकि वे पति हैं,भगवान क्योंकि वे आत्मा के नियंत्रक हैं,भगवान क्योंकि वे निरंतर और शाश्वत हैं, भगवान क्योंकि वे परम शुभ हैं,भगवान क्योंकि वे अपरिवर्तनीय हैं,भगवान क्योंकि वे नारायण हैं, भगवान क्योंकि वे ज्ञेय सिद्धांतों में सर्वोच्च हैं, भगवान क्योंकि वे महान ज्ञेय हैं,भगवान क्योंकि वे जगत के कारण हैं और इसलिए जगत से अलग हैं, भगवान क्योंकि वे ब्रह्मांड हैं, और भगवान क्योंकि वे श्रेष्ठ हैं,भगवान क्योंकि वे पारलौकिक हैं।

पुराणों में नारायण शब्द से जाने जाने वाले भगवान सत्य और ज्ञान आदि का सिद्धांत हैं,जो परम प्रकाश है। नारायण ही परमात्मा हैं। नारायण ही परम ब्रह्म हैं। नारायण ही सर्वोच्च हैं। वे ध्यात (वेदांत के रचयिता),ध्यान (परमात्मा के बारे में दृष्टिकोण) और पापियों के शत्रु हैं।इस वर्तमान संसार में जो कुछ भी निकट जगत में देखा जाता है या दूर जगत में सुना जाता है,नारायण उसमें भीतर और बाहर से व्याप्त हैं। (जैसे मुकुट, कंगन आदि आभूषणों का सोना,उनमें भीतर और बाहर से व्याप्त है,वैसे ही नारायण हर जगह व्याप्त हैं। नारायण का स्वरूप असीम,विनाशरहित,निराकार, सर्वज्ञ,सागर के समान विशाल,जगत का अंत और उसकी उत्पत्ति का कारण है।

किताबें ही मनुष्य को मनुष्य बनना सिखाती

मनुष्य का ज्ञान से साक्षात्कार करातीं किताबें

संजीव कुमार ठाकुर
रायपुर,छत्तीसगढ़

मनुष्य के जीवन में अध्ययन जितना आवश्यक है उतना ही आवश्यक मनन और चिंतन भी है। केवल पुस्तक पढ़ना ही संपूर्ण मानवीय उद्देश्य ना होकर उससे प्राप्त ज्ञानामृत का मनन एवं चिंतन भी अत्यंत आवश्यक है। किसी भी पुस्तक का अध्ययन मनन एवं उस पर चिंतन मनुष्य के संस्कारों को परिष्कृत करता है एवं जीवन के उच्च आदर्शों को प्राप्त करने में सदैव सहायक सिद्ध होता है। अतः मनुष्य को सदैव निरंतर ज्ञानवर्धक पुस्तकों से न सिर्फ ज्ञान प्राप्त करना चाहिए अपितु उसका निरंतर मनन तथा चिंतन भी करना होगा तब जाकर हमारे संस्कार,संस्कृति एवं जीवन के उद्देश्य सफल होंगे। महात्मा गांधी ने कहा है कि पुराने वस्त्र पहनों पर नई पुस्तकें खरीदो। उन्होंने यह भी कहा कि पुस्तकों का महत्व रत्नों से कहीं अधिक है,क्योंकि पुस्तकें अं(ज्ञान चिंतन)

मनुष्य का ज्ञान से साक्षात्कार करातीं किताबें।

किताबें ही मनुष्य को मनुष्य बनना सिखाती।अंतःकरण को उज्जवल करती हैं। सच्चाई भी यही है कि पुस्तकें ज्ञान के अंतःकरण और सच्चाईयों का भंडार होती है। आत्मभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम भी होती हैं। जिन्होंने पुस्तके नहीं पढी हैं या जिन्हें पुस्तक पढ़ने में रूचि नहीं है वे जीवन की कई सच्चाईयों से अनभिज्ञ रह जाते हैं। पुस्तकें पढ़ने का सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि हम जीवन की कठिन परिस्थितियों से जूझने की शक्ति से परिचित हो जाते हैं,और समस्या कितनी भी बड़ी हो हम उससे जीतकर निजात पा जाते हैं। कठिन से कठिन समय पर पुस्तकें हमारा मार्गदर्शन एवं दिग्दर्शन करती है। जिन मनीषियों ने पुस्तक लिखी है और जिन्हें पुस्तकें पढ़ने का शौक है उन्हें ज्ञानार्जन के लिए इधर-उधर भटकने की आवश्यकता नहीं होतीहैं। पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे कलाम साहब ने कहा है कि एक पुस्तक कई मित्रों के बराबर होती है और पुस्तकें सर्वश्रेष्ठ मित्र होती हैं। शिक्षाविद चार्ल्स विलियम इलियट ने कहा कि पुस्तके मित्रों में सबसे शांत व स्थिर हैं,वे सलाहकारों में सबसे सुलभ और बुद्धिमान होती हैं और शिक्षकों में सबसे धैर्यवान तथा श्रेष्ठ होती हैं।

निःसंदेह पुस्तकें ज्ञानार्जन करने मार्गदर्शन एवं परामर्श देने में में विशेष भूमिका निभाती है। पुस्तकें मनुष्य के मानसिक, सामाजिक,आर्थिक, सांस्कृतिक, नैतिक,चारित्रिक, व्यवसायिक एवं राजनीतिक विकास में अत्यंत सहायक एवं सफल दोस्त का फर्ज अदा करती हैं। प्राचीन काल से ही बच्चों तथा नौनिहालों के विकास के लिए पुस्तकें लिखे जाने का चलन तथा रिवाज रहा है। पंचतंत्र तथा हितोपदेश इसके बहुत बड़े उदाहरण हैं। पंचतंत्र,हितोपदेश में ज्ञानार्जन के लिए एवं संस्कृति सभ्यता और शिक्षा के उपयोग की बातें जो दैनिक जीवन में अत्यंत प्रभाव शाली तथा उपयोगी होती है, लिखी गई हैं। और यही पुस्तकें इस देश की सभ्यता संस्कृति के संरक्षण तथा प्रचार प्रसार में अहम भूमिका निभाती आई है। इसी तरह की पुस्तकों ने ज्ञान का विस्तार भी किया है। विश्व की हर सभ्यता मे लेखन सामग्री का बड़ा ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है। पुस्तकों के माध्यम से ही धर्म जाति संस्कृति एवं शिक्षा की मार्गदर्शिका से ही समाज आगे बढ़ा है। अच्छी किताबें अच्छे मार्गदर्शक तथा

शिक्षित तथा अशिक्षित समाज को चेतना तथा सद्गुणों से संचारित करती है,व्यक्ति के अंदर मानसिक क्षमता का विकास भी होता है। ऐतिहासिक किताबें हमें इतिहास, धर्म, राजनीति,संस्कृति के अनेक पहलुओं से अवगत भी कराती है,जिससे व्यक्तित्व विकास में अत्यंत सहायता मिलती है। पुस्तकों के महत्व को देखते हुए डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा कि पुस्तके वह साधन है जिसके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृति एवं समाज के बीच सेतु का निर्माण कर सकते हैं। पुस्तके वह मित्र होती हैं जो हर परिस्थिति तत्काल में सहायक होती है,और यही कारण है कि अनेक लोग गुरुवाणी,हनुमान चालीसा अभी अपने पास रखते हैं।

वर्तमान युग डिजिटल युग कहलाता है अब इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रिंट मीडिया के स्थान पर अपने पैर जमा लिए हैं। इस डिजिटल युग में इंटरनेट का महत्व काफी बढ़ गया है। पहले हम बचपन में चंदा मामा, नंदन,बालभारती और अन्य किताबों से ज्ञान से लेकर मनोरंजन तक प्राप्त करते थे। आज इंटरनेट के बढ़ते बाजार की दिशा में युवक पुस्तकों को विभिन्न साइटों मैं खंगाल कर पढ़ लेते हैं। अब डिजिटल किताबें भी आ गई है साथ ही डिजिटल लाइब्रेरी भी धीरे-धीरे विकसित हो रही है। पर कई कंपनियां विविध किताबों को साइट पर प्रकाशित कर बच्चों के पढ़ने के लिए उपलब्ध करा रही हैं। इससे बड़ी संख्या में बच्चे पढ़ कर लाभान्वित हो रहे हैं। इस दिशा में भारत सरकार तथा राज्य सरकारों द्वारा डिजिटल कार्यक्रमों के अंतर्गत ई शिक्षा तथा ई पुस्तकों के पुस्तकालयों के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही पठन सामग्रियां बच्चों की जिज्ञासा को शांत करने का काम कर रही है। डिजिटल किताबों तथा पुस्तकालयों से यह लाभ है कि देश विदेश में किसी भी भाग में रहकर लोग अपनी इच्छा के अनुसार पुस्तकों पत्रिकाओं आदि को पढ़ सकते हैं। इंटरनेट अब अध्ययन का सुलभ साधन बन गया है। पर दूसरी तरफ इससे कुछ नुकसान भी हो रहे हैं, उचित मार्गदर्शन वाली किताबें न पढ़कर भ्रामक पुस्तकों का अध्ययन कर अपने को दिग्भ्रमित कर रहे हैं और इससे बच्चों का भविष्य भी प्रभावित हो रहा है। इसके लिए छोटे बच्चों को अपनी निगरानी में इंटरनेट से किताबें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना अन्यथा दिगभ्रमित साहित्य बच्चों की मानसिकता पर विकृत प्रभाव डाल सकता है।इस प्रकार हम यह कह सकते हैं कि पुस्तकें ज्ञान देने के साथ मार्गदर्शन तथा चरित्र निर्माण का सर्वोत्तम साधन है। पुस्तकों से राष्ट्र की युवा कर्ण धारों को नई दिशा दी जा सकती है तथा एकता और अखंडता का संदेश देकर एक महान और सशक्त राष्ट्र की पृष्ठभूमि रखी जा सकती है।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

सम्पादक

भावशून्य हो जाते भोले

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
इन्दौर, मध्यप्रदेश

प्रेम करे जो भोले से वो,
खुद भोला हो जाता है,
नजर-नजर का फेर है देखो,
क्या से क्या हो जाता है।
प्रेम करे जो भोले ....
चार दिशा में घूम के आया,
मिला नहीं भोले जैसा,
भोले का जब ध्यान लगाया,
लगा वहीं है अपने-सा।
प्रेम करे जो भोले ...
जब-जब हमने आसमान को,
होले-होले से ताका,
भोले की सूरत बन आई,
फिर दिल में उनको झांका।
प्रेम करे जो भोले ....
भोले की आहट पाकर,
कुछ और नहीं मुझको दिखता,
आगे-पीछे दाएं-बाएं,
बस मुखड़ा भोले का दिखता।
प्रेम करे जो भोले ...
शब्द जुबां पर कुछ नहीं आते,
भाव शून्य हो जाते हैं,
अंतस गाता भोले-भोले,
भोले में खो जाते हैं।
प्रेम करे जो भोले ...

रिंग रोड पर नाबालिगों का कहर : तेज रफ्तार कार ने दो गाड़ियों को पीछे से मारी जोरदार टक्कर,पलटने के बाद तीन नाबालिग मौके से फरार

कार पलटने के बाद मामला रफा-दफा करने में जुटे परिजन...सड़क किनारे खड़ी दो गाड़ियों को पीछे से मारी जोरदार टक्कर; बड़ा हादसा टला

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,30 अगस्त 2026
(घटती-घटना)।

शहर के व्यस्त रिंग रोड स्थित काली मंदिर के पास रविवार को उस समय बड़ा हादसा टल गया, जब नशे में धुत तीन नाबालिगों ने तेज रफ्तार कार चलाते हुए सड़क किनारे खड़ी दो गाड़ियों को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार अनियंत्रित होकर सड़क पर ही पलट गई। गनीमत रही कि हादसे के समय कोई राहगीर इसकी चपेट में नहीं आया, जिससे एक बड़ा हादसा होने से बच गया। घटना के बाद कार में सवार तीनों नाबालिग युवक मौके से फरार हो गए। दुर्घटना के कारण सड़क पर कुछ देर के लिए चक्काजाम की स्थिति निर्मित हो गई।

नशे में धुत थे तीनों नाबालिग, प्रत्यक्षदर्शियों में आक्रोश : प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार की रफ्तार बेहद तेज थी और उसमें सवार तीनों नाबालिग पूरी तरह नशे में धुत थे। लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए उन्होंने सड़क किनारे खड़ी दो कारों को पीछे से बुरी तरह ठोक दिया, जिससे वे गाड़ियां भी क्षतिग्रस्त हो गईं। हादसे के तुरंत बाद आसपास के लोगों को इकट्ठा होता देख तीनों आरोपी नाबालिग मौके का फायदा उठाकर भाग निकले। प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस से इस मामले में कड़ी 'ड्रंक एंड ड्राइव' की धाराएं लगाने की मांग की है।

मामला दबाने और रफा-दफा करने में जुटे रहे परिजन : हादसे की खबर लगते ही दुर्घटनाग्रस्त कार चला रहे नाबालिगों के परिजन तुरंत मौके पर पहुंच गए। पुलिस की वैधानिक कार्रवाई और कानूनी पचड़े से बचने के लिए परिजन मौके पर ही पूरे मामले को संभालने और रफा-दफा करने की जुगत में जुट गए थे। क्षतिग्रस्त गाड़ियों के मालिकों को समझाने और मामला शांत कराने का प्रयास परिजनों द्वारा लगातार किया जाता रहा।

पुलिस कर रही है जांच,लगा जाम खुलवाया

हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त कार को बीच सड़क से हटवाया और बाधित हुए यातायात को बहाल कराया। पुलिस ने बताया कि कार को जब्त कर लिया गया है और फरार नाबालिग युवकों की पहचान की जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर पुलिस ड्रंक एंड ड्राइव और लापरवाही से वाहन चलाने के एंग्लस से मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर शिक्षक-विद्यार्थियों ने मैदान में दिखाया दमखम

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय खेल अभियान,क्रिकेट,बैडमिंटन और टेबल टेनिस प्रतियोगिताएं

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,30 अगस्त 2026
(घटती-घटना)।

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय में फिट इंडिया अभियान के तहत राष्ट्रीय खेल दिवस 2026 के अवसर पर तीन दिवसीय खेल अभियान का शुभारंभ किया गया। गांधी स्टेडियम स्थित इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 28 अगस्त से शुरू हुआ अभियान 30 अगस्त तक चलेगा।

इस दौरान विश्वविद्यालय के प्राध्यापक और विद्यार्थी विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले रहे हैं। अभियान की शुरुआत टेबल टेनिस और बैडमिंटन प्रतियोगिताओं से हुई। प्राध्यापकों और विद्यार्थियों के बीच मैत्रीपूर्ण मुकाबले कराए गए। प्राध्यापकों ने भी खेल मैदान में उतरकर विद्यार्थियों के साथ मुकाबला किया। इससे विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला। अभियान के दौरान 'खेलेगा भारत, जीतेगा भारत' और 'एक घंटा खेल के मैदान में' का संदेश दिया गया।

दूसरे दिन हुआ सद्भावना क्रिकेट मैच : खेल अभियान के दूसरे दिन विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों और विद्यार्थियों के बीच सद्भावना क्रिकेट मैच आयोजित किया गया। मैच में दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। मैदान के बाहर मौजूद विद्यार्थियों ने तालियां बजाकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिकारियों, प्राध्यापकों और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। डॉ. हरिशंकर प्रसाद टोंडे, प्रो. नीरज श्रीवास्तव सहित अन्य प्राध्यापक उपस्थित रहे। प्रो. नीरज श्रीवास्तव ने कहा कि खेल शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक मजबूती और टीम भावना विकसित करने का माध्यम है। राष्ट्रीय खेल दिवस पर हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के योगदान को याद करते हुए युवाओं से खेलों को जीवनशैली का हिस्सा बनाने की अपील की गई। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार अभियान के अंतिम दिन भी विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

मैनपाट में नदी की तेज धार में बहे केरल के युवक-युवती,युवक की मौत

- युवती को बचाने स्थानीय युवक ने एक किमी तक लगाई दौड़, पांचवीं कोशिश में रस्सी पकड़कर बची जान
- घुनघुट्टा नदी में बाइक समेत बहे थे दोनों, रविवार सुबह घटनास्थल से 3 किमी दूर मिला युवक का शव

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,30 अगस्त 2026
(घटती-घटना)।

मैनपाट घूमने आए केरल के युवक-युवती शनिवार शाम घुनघुट्टा नदी की तेज धार में बाइक समेत बह गए। स्थानीय युवक समशुद्दीन ने करीब एक किलोमीटर तक नदी किनारे दौड़ लगाकर रस्सी के सहारे युवती की जान बचा ली, लेकिन युवक तेज बहाव में बह गया। रविवार सुबह एसडीआरएफ और पुलिस की टीम ने घटनास्थल से करीब 3 किलोमीटर दूर नदी से उसका शव बरामद किया। केरल निवासी यदुकृष्णा (25) और गौरी नंदन (22) रायपुर में रहते थे। यदुकृष्णा नौकरी करता था,जबकि गौरी नंदन पढ़ाई कर रही थी। दोनों 29 अगस्त को ट्रेन से अंबिकापुर पहुंचे थे। इसके बाद किराए की बाइक से मैनपाट घूमने गए थे। शाम करीब 5 बजे दोनों कमलेश्वरपुर से टाइगर प्वाइंट की ओर जा रहे थे। रोपाखार के पास घुनघुट्टा नदी की पुलिया पर करीब ढाई फीट ऊपर पानी बह रहा था। इसके बावजूद युवक बाइक से पुलिया पार करने लगा। तेज बहाव में बाइक समेत दोनों नदी में बह गए।

एक किमी दौड़कर बचाई युवती की जान : दोनों के शोर मचाने पर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। युवती तैरकर बाहर निकलने का प्रयास कर रही थी। इसी दौरान स्थानीय युवक समशुद्दीन घर से रस्सी लेकर पहुंचा। उसने युवती को रस्सी देने की कई बार कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद वह नदी के किनारे करीब एक किलोमीटर तक दौड़ता रहा। पांचवीं कोशिश में युवती ने रस्सी पकड़ ली और समशुद्दीन ने उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

सुबह मिला युवक का शव

यदुकृष्णा तेज बहाव में बह गया। अंधेरा होने के कारण शनिवार रात रेस्क्यू रोकना पड़ा। रविवार सुबह पुलिस और एसडीआरएफ ने तलाश शुरू की। करीब 9 बजे घटनास्थल से तीन किलोमीटर दूर नदी में शव मिलने की सूचना मिली। टीम ने शव बाहर निकाला और परिजनों को सूचना दी।

सोलर पैनल का केबल चोरी मामले में पकड़े गए दो आरोपी, पूछताछ में कई चोरियों का खुलासा

बसदेई पुलिस ने 2 मोटरसाइकिल,मिनी कटर व लोहे का रॉड किया जप्त,दोनों आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
सूरजपुर,30 अगस्त 2026
(घटती-घटना)।

ग्राम सुन्दरपुर निवासी छक्केलाल सिंह ने चौकी बसदेई में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके खेत-बगान में सिंचाई के लिए रेड नदी के किनारे सोलर पैनल,3 एचपी का मोटर पंप एवं केबल तार लगाया गया है। दिनांक 28 अगस्त 2026 को ग्राम जूर निवासी नजीर अंसारी एवं ग्राम रगदा निवासी अंकित तिवारी मोटरसाइकिल से वहां पहुंचे और सोलर पैनल के केबल तार को चोरी करने का प्रयास करने लगे। नजीर द्वारा केबल तार काटते समय प्रार्थी ने उसे देख लिया और पकड़ लिया। रिपोर्ट पर चौकी बसदेई में अपराध क्रमांक 662/2026,धारा 303(2), 62, 111, 3(5) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री योगेश कुमार पटेल (भापुसे) ने चोरी,नकबजनी सहित संपत्ति संबंधी अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा ऐसे अपराधों में संलिप्त आरोपियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। निर्देश के परिपालन में चौकी बसदेई पुलिस ने मामले की विवेचना करते हुए आरोपी

नजीर अंसारी पिता वारिस अंसारी,उम्र 28 वर्ष,निवासी जूर दम कोडयापारा''एवं अंकित तिवारी पिता स्व.अयोध्या तिवारी, उम्र 28 वर्ष,निवासी ग्राम रगदा,चौकी बसदेईको पकड़ा। पूछताछ में कई चोरियों का हुआ खुलासा पुलिस की पूछताछ में आरोपी नजीर अंसारी ने बताया कि वह अंकित तिवारी के साथ मोटरसाइकिल से सुन्दरपुर गया था। दोनों ने नदी किनारे लगे सोलर पैनल एवं उसमें लगे केबल तार को देखा। केबल में तांबा होने के कारण नजीर ने प्लास से तार काटना शुरू किया,जबकि अंकित दूर खड़ा होकर पहरा दे रहा था। पूछताछ के दौरान आरोपी नजीर ने करीब एक माह पूर्व अंकित तिवारी के साथ मिलकर सुन्दरपुर,खोपा एवं करंजी क्षेत्र से सोलर पैनल के केबल तार चोरी करने,मलगा पुलिया के पास स्थित एक घर से कांसा एवं पीतल के बर्तन चोरी करने तथा चोरी के सामान को सूरजपुर के तीन व्यक्तियों के पास बेचने की बात भी स्वीकार की। इसके अलावा दोनों आरोपियों द्वारा करीब एक माह पूर्व सूरजपुर के साप्ताहिक बाजार से दो होंडा साइन मोटरसाइकिल चोरी करने का भी खुलासा हुआ। पूछताछ में सामने आया कि चोरी की एक मोटरसाइकिल अंकित तिवारी ने अपने घर में रखी थी, जबकि दूसरी मोटरसाइकिल का नजीर अंसारी स्वयं उपयोग कर रहा था। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने ''चोरी की दो मोटरसाइकिल, मिनी कटर एवं लोहे का रॉड'' जप्त किया। आरोपियों द्वारा संगठित रूप से अपराध किए जाने की पुष्टि होने पर प्रकरण में धारा 111 एवं 3(5) बीएनएस जोड़ी गई। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया। इस कार्रवाई में चौकी प्रभारी बसदेई योगेन्द्र जायसवाल एवं उनकी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आरोपी नजीर अंसारी के विरूद्ध पूर्व में दर्ज अपराध

1. चौकी बसदेई,थाना सूरजपुर कृ अपराध क्रमांक 450/26, धारा 457, 380 भादसं.
2. चौकी बसदेई अपराध क्रमांक 451/2026, धारा 457, 380 भादसं.
3. चौकी बसदेई अपराध क्रमांक 121/26, धारा 296(बी), 351(3), 115(2), 3(5) बीएनएस।
4. थाना पटना, जिला कोरिया कृ अपराध क्रमांक 146/2019, धारा 379 भादसं.
5. थाना प्रतापपुर कृ अपराध क्रमांक 16/24, धारा 457, 380 भादसं.

आरोपी अंकित तिवारी के विरूद्ध पूर्व में दर्ज अपराध

1. चौकी बसदेई, थाना सूरजपुर कृ अपराध क्रमांक 497/2026, धारा 305(क), 331(4) बीएनएस।
2. चौकी बसदेई अपराध क्रमांक 210/2026, धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट।

नेपाल में बाढ़ के बाद भारतीय नागरिकों के लापता होने पर मंत्री राजेश अग्रवाल चिंतित

अंबिकापुर की डॉ. मीना गुप्ता की सुरक्षित वापसी के लिए विदेश मंत्रालय और भारतीय दूतावास के संपर्क में हैं अधिकारी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,30 अगस्त 2026
(घटती-घटना)।

नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद 288 से अधिक भारतीय नागरिकों के लापता होने की खबर पर छत्तीसगढ़ के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने गहरी चिंता व्यक्त की है। लापता भारतीय नागरिकों में अंबिकापुर के वरिष्ठ नेता कर्ताराम गुप्ता की बेटी डॉ. मीना गुप्ता भी शामिल हैं। डॉ. मीना गुप्ता ब्रिटेन में चिकित्सक के रूप में अपनी सेवाएं दे रही हैं। मंत्री राजेश अग्रवाल ने डॉ. मीना गुप्ता की सुरक्षित वापसी के लिए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाते हुए कहा कि इस कठिन और चिंताजनक परिस्थिति में उनका परिवार अकेला नहीं है। उन्होंने बताया कि डॉ. मीना गुप्ता की स्थिति और उनकी सुरक्षित वापसी के संबंध में नेपाल स्थित भारतीय दूतावास तथा संबंधित अधिकारियों से लगातार संपर्क बनाए रखने का प्रयास किया जा रहा है।

विदेश मंत्रालय से तत्काल किया संपर्क : अग्रवाल ने बताया कि उन्होंने भी इस मामले में तत्काल विदेश मंत्रालय से संपर्क कर आवश्यक जानकारी साझा करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई है। मंत्रालय की ओर से उपलब्ध कराई गई ई-मेल आईडी कर्ताराम गुप्ता को उपलब्ध कराई गई है, ताकि डॉ. मीना गुप्ता से संबंधित सभी आवश्यक विवरण विदेश मंत्रालय तक पहुंचाए जा सकें और उनकी तलाश एवं सुरक्षित वापसी के प्रयासों को आवश्यक जानकारी मिल सके। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में प्रत्येक लापता व्यक्ति के परिवार की चिंता और व्याकुलता को समझा जा सकता है। प्रशासनिक एवं राजनयिक स्तर पर उपलब्ध माध्यमों

के जरिए आवश्यक जानकारी साझा कर डॉ. मीना गुप्ता सहित सभी लापता भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना : मंत्री राजेश अग्रवाल ने नेपाल की प्राकृतिक आपदा से प्रभावित सभी परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बाढ़ की इस त्रासदी में जिन परिवारों के सदस्य लापता हैं,उनके लिए यह अत्यंत कठिन समय है। ऐसे समय में संवेदना,सहयोग और हरसंभव सहायता ही सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएं सभी पीड़ित परिवारों के साथ हैं। ईश्वर से मेरी प्रार्थना है कि डॉ. मीना गुप्ता जी सहित बाढ़ में फंसे सभी लोग सकुशल हों और जल्द से जल्द अपने परिवारों के बीच वापस लौटें। हम सभी उनके सुरक्षित लौटने की कामना कर रहे हैं।

पत्नी की हत्या के आरोपी पति को पुलिस ने किया गिरफ्तार,भेजा गया जेल

-संवाददाता-
बलरामपुर,30 अगस्त 2026
(घटती-घटना)।

थाना शंकरगढ़ पुलिस ने मामूली बात पर हुई कहासुनी के बाद अपनी पत्नी की डंडे से पीट-पीटकर हत्या करने वाले आरोपी पति को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। मामला जोकापाठ (लालदारा) का है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार,प्रार्थी सोमारू साय को ग्रामीणों से सूचना मिली थी कि उनकी बेटी दुखनी बाई के साथ उसके पति रमेश कोरवा (28 वर्ष) ने मारपीट की है,जिससे उसकी मौत हो गई है। मौके पर पहुंचने पर पीड़िता का शव घर के अंदर कमरे में पाया गया,जिसके सिर और पेट पर चोट के गंभीर निशान थे। पूछताछ में सामने आया कि घटना की शाम दोनों ने स्थानीय शराब (हड़िया) पी रखी थी। शाम करीब 4 से 5 बजे के बीच रमेश ने अपनी पत्नी दुखनी से मुर्गा बनाने को कहा।

बलरामपुर पुलिस की त्वरित कार्रवाई : युवक पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगाने वाला आरोपी 2 घंटे में गिरफ्तार,भेजा गया जेल...

-संवाददाता-
राजपुर,30 अगस्त 2026
(घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के राजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बुढ़ाबगीचा में एक युवक पर पेट्रोल डालकर आग लगाने वाले आरोपी को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 2 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त पेट्रोल की खाली बोतल और लाइटर बरामद कर उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

विवाद के बाद दिया वारदात को अंजाम : मिली जानकारी के अनुसार, बुढ़ाबगीचा निवासी प्रार्थी शिवकुमार काशी ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि राखी त्यौहार के अवसर पर परिवार के लोग घर पर एकत्र हुए थे। इसी दौरान आरोपी रामेश्वर उर्फ कोचा (21 वर्ष, निवासी बुढ़ाबगीचा महुआपारा) ने विवाद करते हुए सिद्धांत नाम के युवक के साथ मारपीट

की। जब सिद्धांत इस मारपीट की जानकारी अपने भाई को देकर रात लगभग 8:15 बजे वापस लौट रहा था, तभी आरोपी ने रास्ते में उसे रोक लिया। इसके बाद आरोपी ने सिद्धांत पर पेट्रोल छिड़का और लाइटर से आग लगा दी।

अंबिकापुर जिला अस्पताल में इलाज जारी : इस दिल दहला देने वाली घटना में सिद्धांत गंभीर रूप से झुलस गया। परिजनों द्वारा उसे तुरंत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए जिला चिकित्सालय अंबिकापुर रेफर कर दिया गया। फिलहाल अस्पताल में उसका इलाज जारी है।

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए राजपुर पुलिस ने अपराध क्रमांक 216/2026,धारा 109(1) बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और साक्ष्यों के आधार पर घेराबंदी कर आरोपी रामेश्वर उर्फ कोचा को 2 घंटे के भीतर हिरासत में ले लिया। आरोपी से वारदात में इस्तेमाल सामान जब्त कर आगे की कानूनी विवेचना की जा रही है।

CMYK

कोरिया में बीजेवाईएम की बढ़ती सक्रियता युवाओं में संगठन से जुड़ने का जोश

जिलाध्यक्ष सतेंद्र राजवाड़े के नेतृत्व में सदस्यता व जनसंपर्क अभियान को मिल रहा उत्साहजनक समर्थन

-संवाददाता-
कोरिया,30 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

जिले में भारतीय जनता युवा मोर्चा की सक्रियता लगातार बढ़ती नजर आ रही है। संगठन से जुड़ने को लेकर युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। सदस्यता एवं जनसंपर्क अभियान के माध्यम से भाजयुमो कार्यकर्ता युवाओं के बीच पहुंचकर उन्हें संगठन की विचारधारा,सामाजिक सरोकार और राष्ट्र निर्माण के कार्यों से जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। भाजयुमो जिलाध्यक्ष सतेंद्र राजवाड़े ने कहा कि युवा शक्ति किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत है। आज का युवा केवल अपने भविष्य को बेहतर बनाने तक सीमित नहीं रहना चाहता,बल्कि समाज और देश के लिए भी योगदान देना चाहता है। भाजयुमो युवाओं को ऐसा मंच उपलब्ध करा रहा है,जहां वे अपनी ऊर्जा और प्रतिभा को सकारात्मक दिशा में लगाकर नेतृत्व की भूमिका निभा सकें। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में जिले के विभिन्न मंडलों और बूथ स्तर तक जनसंपर्क अभियान को और व्यापक किया जाएगा। अधिक से अधिक युवाओं को संगठन से जोड़ने के साथ उन्हें सेवा, अनुशासन और समर्पण की भावना से कार्य करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। राजवाड़े ने कहा कि कोरिया का युवा अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदार बनने के लिए आगे आ रहा है। युवाओं की बढ़ती भागीदारी निश्चित रूप से संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत बनाएगी। भाजयुमो के इस अभियान से जिले में युवा नेतृत्व को नई दिशा मिलने के साथ संगठन के विस्तार को भी गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

कांग्रेस मंडल अध्यक्ष से मारपीट,पत्नी से भी दुर्व्यवहार

■ कार खड़ी करने को लेकर विवाद के बाद सड़क पर पीटा,सिर में गंभीर चोट,रायपुर रेफर

■ भाजपा नेता पर हमला कराने का आरोप,पुलिस ने दर्ज की एफआईआर....

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,30 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

शहर के दर्रीपारा में शनिवार रात कार खड़ी करने को लेकर हुए विवाद में कांग्रेस मंडल अध्यक्ष गुरप्रीत सिंह सिद्धू के साथ कुछ युवकों ने मारपीट कर दी। उन्हें बचाने पहुंची उनकी पत्नी गुरप्रीत कौर सिद्धू के साथ भी मारपीट किए जाने का आरोप है। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें कुछ युवक कांग्रेस नेता के साथ मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं। मारपीट में सिर पर चोट लगने के बाद गुरप्रीत सिंह को मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें रायपुर रेफर कर दिया।

कार के सामने कार खड़ी करने से शुरू हुआ विवाद

जानकारी के अनुसार, गुरप्रीत सिंह शनिवार शाम करीब 7.30 बजे कार से घर पहुंचे थे। वे कार को पोर्च में खड़ा करने के लिए मोड़ रहे थे। इसी दौरान साहिल साहू अपने साथियों के साथ वहां पहुंचा और कथित तौर पर गुरप्रीत सिंह की कार के सामने

अपनी कार खड़ी कर रास्ता रोक दिया। इसे लेकर दोनों पक्षों में गाली-गलौज और विवाद शुरू हो गया।

साथियों के पहुंचने के बाद बढ़ा विवाद : बताया गया कि साहिल ने अपने पिता सुनील साहू को इसकी जानकारी दी। इसके बाद सुनील साहू,संजीव चटर्जी सहित कुछ अन्य लोग मौके पर पहुंचे। आरोप है कि इसके बाद गुरप्रीत सिंह के साथ सड़क पर मारपीट की गई। शोर सुनकर उनकी पत्नी मौके पर पहुंचीं तो उनके साथ भी मारपीट की गई। दोनों पक्षों की ओर से विवाद को लेकर अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं।

भाजपा नेता पर लगाया हमला कराने का आरोप : गुरप्रीत सिंह ने आरोप लगाया है कि हमले के पीछे भाजपा नेता प्रकाश साहू का हाथ है और उनके कहने पर मारपीट कराई गई। वहीं प्रकाश साहू ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा है कि उनका नाम जबरन जोड़ा जा रहा है। शिकायत के बाद मणिपुर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस ने फिलहाल धाराओं और आरोपियों के नाम सार्वजनिक नहीं किए हैं।

दर्रीपारा मारपीट मामले में चार आरोपी गिरफ्तार,बुलेट जब्त

मणिपुर पुलिस व साइबर सेल की कार्रवाई,अन्य आरोपियों की तलाश जारी

दर्रीपारा में युवक से मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में मणिपुर पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त बुलेट मोटरसाइकिल भी जब्त की है। मामले में कुछ अन्य आरोपी फरार हैं,जिनकी तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार दर्रीपारा निवासी गुरप्रीत सिंह सिद्धू ने 30 अगस्त को मणिपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि 29 अगस्त की रात करीब 8.30 बजे साहिल साहू, राजा साहू सहित अन्य लोग उसके घर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद आरोपियों ने उसकी पिटाई कर गंभीर चोट पहुंचाई। बीच-बचाव करने पहुंची उसकी पत्नी से भी मारपीट की गई। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी साहिल साहू,सुनील साहू,अनिल चटर्जी उर्फ संजू,आयुष सहित अन्य के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर गवाहों के बयान दर्ज किए। इसके बाद पुलिस ने दर्रीपारा निवासी साहिल साहू (22),आयुष बरला (19),सुनील साहू (47) और अनिल कुमार चटर्जी उर्फ संजू (55) को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। पुलिस ने बताया कि मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

दुर्गापुर के अनुक साय बने सब इंस्पेक्टर,जिला प्रशासन की पहल से मिली प्रतियोगी परीक्षा से नई दिशा

'गांव की गलियों से वर्दी तक पहुंचा अनुक का सपना,अरुणोदय ने दी उड़ान,मेहनत ने दिलाई मंजिल

-संवाददाता-
सूरजपुर,30 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

गांव की पगडंडियों से निकलकर वर्दी तक पहुंचने का सफर आसान नहीं होता। इसके लिए सपनों के साथ संसाधन,सही मार्गदर्शन और लगातार मेहनत की जरूरत होती है। प्रेमनगर विकासखंड के छोटे से गांव दुर्गापुर निवासी श्री अनुक साय की सफलता की कहानी इसी विश्वास को मजबूत करती है। सीमित संसाधनों के बीच प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी शुरू करने वाले अनुक साय ने कठिनाइयों को पीछे छोड़ते हुए आज थाना बचेली में सब इंस्पेक्टर के पद पर पदस्थ होकर अपने लक्ष्य को हासिल किया है। अनुक की इस सफलता में जिला प्रशासन द्वारा संचालित अरुणोदय करियर इंस्टीट्यूट की महत्वपूर्ण भूमिका रही। जिला खनिज न्यास निधि (डीएमएफ) के सहयोग से संचालित अरुणोदय के माध्यम से जिले के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के

लिए निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। यह पहल उन विद्यार्थियों के लिए विशेष अवसर लेकर आई है,जिनके सामने आर्थिक संसाधनों की कमी अक्सर बड़ी चुनौती बन जाती है। अनुक बताते हैं कि प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के शुरुआती दौर में उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। सही दिशा में तैयारी कैसे की जाए और अपनी कमियों को कैसे दूर किया जाए,इसे लेकर असमंजस था। अरुणोदय से जुड़ने के बाद नियमित कक्षाओं और अनुशासित शैक्षणिक वातावरण ने उनकी तैयारी को व्यवस्थित किया। शिक्षकों ने विषयों के बेसिक कांसेप्ट को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया, जिससे कठिन विषय भी धीरे-धीरे समझ में आने लगे।

नियमित टेस्ट सीरीज,डाउट क्लियरिंग और व्यक्तिगत मार्गदर्शन ने अनुक की तैयारी को मजबूती दी। लगातार अभ्यास और धैर्य के साथ उन्होंने लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाए और अंततः पुलिस सेवा में सब इंस्पेक्टर के रूप में चयनित होकर अपने परिवार और गांव का नाम रोशन किया। अनुक की सफलता अकेली कहानी नहीं है। अरुणोदय करियर इंस्टीट्यूट में अध्ययन कर चुके कई विद्यार्थी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर अपने-अपने क्षेत्र में आगे बढ़ चुके हैं। इन विद्यार्थियों की उपलब्धियां इस बात का उदाहरण हैं कि निरंतर मार्गदर्शन,गुणवत्तापूर्ण अध्ययन और नियमित अभ्यास के लिए बेहतर मंच मिलने पर जिले के युवा अपनी प्रतिभा को परिणाम में बदल सकते हैं। अरुणोदय आज ऐसे ही अनेक विद्यार्थियों के लिए तैयारी और लक्ष्य के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य कर रहा है। अपनी सफलता के लिए अनुक जिला प्रशासन और जिला खनिज न्यास निधि के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। उनका कहना है कि जिले के विद्यार्थियों को निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और मार्गदर्शन उपलब्ध कराने वाली यह पहल उनके जैसे अनेक युवाओं के सपनों को नई दिशा दे रही है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए अनुक का संदेश भी उनकी अपनी यात्रा से निकला है 'मेहनत के साथ निरंतरता और धैर्य बनाए रखें। शुरुआत कितनी भी कठिन हो, सही मार्गदर्शन और लगातार प्रयास से सफलता जरूर हासिल की जा सकती है।

लोन दिलाने के नाम पर 32 लाख से अधिक की ठगी एक आरोपी गिरफ्तार,दो अन्य पहले से ही जेल में बंद

-संवाददाता-
बलरामपुर,30 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के शंकरगढ़ पुलिस ने बैंक से लोन स्वीकृत कराकर लाखों रुपये का गबन करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी 43 वर्षीय श्रवण कुमार (पिता स्व. केन्दा खाखा) खैराडीह,थाना शंकरगढ़ का निवासी है, जिसे पुलिस ने न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

झांसा देकर ऐंठे 32.52 लाख रुपए : पुलिस के अनुसार, प्रार्थी फूलचन्द मिंज(निवासी शंकरगढ़, वार्ड न.11) ने शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपी श्रवण कुमार ने अपने साथी शिवशंकर दास, दीपक कुमार टोप्पो और कुछ बैंक कर्मचारियों के साथ मिलकर साजिश रची। आरोपियों ने प्रार्थी को लोन की 40 प्रतिशत राशि देने, 60 प्रतिशत खुद रखने और किस्तें

भी खुद चुकाने का झांसा दिया। लोन मंजूर होने के बाद आरोपियों ने PI,RTGS और NEFT के माध्यम से कुल 32,52,500 अपने खातों में ट्रांसफर कर गबन कर लिया। इस गिरोह ने अन्य शिक्षकों के नाम पर भी लोन निकलवाकर धोखाधड़ी की है।

मामले से जुड़े मुख्य बिंदु:

दर्ज मामला : पुलिस ने अपराध क्रमांक 96/2026 के तहत BNS (भारतीय न्याय संहिता) की धारा 318(4) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है।

गिरफ्तारी: आरोपी श्रवण कुमार को 29 अगस्त 2026 को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

अन्य आरोपी पहले से निरुद्धः मामले के दो मुख्य आरोपी गांधीनगर (सरगुजा), कोण्डागांव और नारायणपुर के अन्य आपराधिक मामलों में पहले से ही जेल में बंद हैं।

पुलिस इस मामले के सभी पहलुओं की गहनता से विवेचना कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच में सामने आने वाले नए तथ्यों के आधार पर अन्य संलिप्त आरोपियों की भी जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

सीतापुर के आदर्श नगर में 15 वर्षीय नाबालिग ने फांसी लगाकर दी जान, प्रेम प्रसंग की आशंका के बीच जांच में जुटी पुलिस

-संवाददाता-
सीतापुर/सरगुजा,30 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

थाना सीतापुर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले आदर्श नगर में एक 15 वर्षीय नाबालिग बालिका द्वारा अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर आत्महत्या करने का बेहद दुःखद मामला सामने आया है। प्राथमिक तौर पर इसे प्रेम प्रसंग से जुड़ा मामला माना जा रहा है। घटना के संबंध में सीतापुर पुलिस ने मर्ग क्रमांक 137/2026 कायम कर सभी पहलुओं पर विस्तृत विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतिका (15 वर्ष) मूल रूप से ग्राम बिजलहवा (थाना कमलेश्वरपुर) की निवासी थी और वर्तमान में अपने परिवार के साथ आदर्श नगर सीतापुर में रह रही थी। बताया गया कि शनिवार, 29 अगस्त 2026 की शाम करीब 6:30 बजे उसके माता-पिता मछली खरीदने के लिए सोनतराई बाजार गए हुए थे। इस दौरान नाबालिग घर पर बिल्कुल अकेली थी। लगभग एक घंटे बाद रात 7:30 बजे जब परिजन वापस लौटे,तो घर के भीतर का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। उन्होंने देखा कि बेटी का शव घर के भीतर मयार (छत की लकड़ी) में चुन्नी के फंदे से लटका हुआ था। परिजनों द्वारा आनन-फानन में चीख-पुकार मचाते हुए तत्काल उसे फंदे से नीचे उतारा गया,लेकिन तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं और उसकी मृत्यु हो चुकी थी। घटना के सदमे से उबरने के बाद परिजनों द्वारा रविवार, 30 अगस्त 2026 की सुबह करीब 9:30 बजे थाना सीतापुर में जाकर मामले की लिखित सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर शव पंचनामा सहित आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू की। हालांकि, स्थानीय सूत्रों द्वारा इसे प्रेम-प्रसंग का मामला बताया जा रहा है, लेकिन पुलिस ने अभी आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं की है।

डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा के दिशा निर्देशन में नेक्स्ट-जेन डायल 112 की अहम बैठक,त्वरित रिस्पॉन्स ही डायल-112 की असली पहचान

आपातकालीन परिस्थियो में डायल 112 कि सेवा ही संजीवनी,किसी भीं परिस्थिति में ना हो लेट लतीफी,साथ ही अधिकारियो/कर्मचारियों द्वारा किये जा रहे बेहतर प्रयास की हुई प्रसंशा,टीम कों इवेंट का त्वरित निराकरण कर निर्धारित फिक्स पॉइंट पर लौटने की दी गई सख्त हिदायत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,30 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा श्री राजेश अग्रवाल (भा.पु.से.) के दिशा निर्देशन में आज रक्षित केंद्र अंबिकापुर के सभाकक्ष में 'नेक्स्ट-जेन डायल 112' (आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली) की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई।उक्त बैठक नोडल अधिकारी (डायल 112) एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री रितेश चौधरी द्वारा ली गई। बैठक में डायल 112 सेवा को जिला स्तर पर और अधिक चुस्त, प्रभावी, संवेदनशील और पूरी तरह समयबद्ध बनाने के साथ साथ महिला व बाल सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए आम जनता से शालीन व्यवहार करने के दिशा-निर्देश दिए गए।

रिस्पांस टाइम को न्यूनतम रखने का सख्त निर्देशः-नोडल अधिकारी श्री रितेश चौधरी ने बैठक में स्पष्ट किया कि आपातकालीन स्थिति में पीड़ित व्यक्ति तक पुलिस सहायता पहुँचने का समय (रिस्पांस टाइम) कम से कम होना चाहिए। उन्होंने मैदानी स्टाफ को हिदायत दी गई कि किसी

भी इवेंट (शिकायत) की सूचना मिलते ही ईआरयू तत्काल रवाना हो और घटना का त्वरित निराकरण करने के बाद बिना किसी देरी के अपने निर्धारित 'फिक्स पॉइंट' पर वापस लौटे। वाहनों की बेवजह मोबिलिटी या काम में सुस्ती पाए जाने पर संबंधितों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

तकनीकी टीम को मुस्तैद रहने के निर्देशः-बैठक में लोकेशन ट्रैकिंग, जीपीएस और आपातकालीन वाहनों के बेहतर संचालन को लेकर तकनीकी टीम को भी हमेशा अलर्ट मोड पर रहने को कहा गया, ताकि कंट्रोल रूम और मैदानी वाहनों के बीच समन्वय में तनिक भी देरी न हो। डायल 112 सेवा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से बुलाई गई इस बैठक में रक्षित निरीक्षक अंबिकापुर तृप्ति सिंह राजपूत,डीसीसी प्रभारी उप निरीक्षक अभय कुमार तिवारी, प्रशिक्षु सूबेदार गुलशन चंद्रा एवं प्रशिक्षु सूबेदार पेविंन वर्मा। डीसीसी सरगुजा स्टाफ प्रधान आरक्षक संजीव कुमार त्रिपाठी, आरक्षक मोहन पवार, आरक्षक प्रदीप बखला एवं महिला आरक्षक मनीषा द्विवेदी, जिले के विभिन्न थानों एवं यातायात शाखा से कुल 13 पुलिस स्टाफ समेत साइबर सेल अंबिकापुर से आरक्षक वीरेंद्र पैंकरा एवं आरक्षक अनुज जायसवाल, फ्लीट व तकनीकी विंग से सरगुजा जिले के डिस्ट्रिक्ट फ्लीट मैनेजर पुरुषोत्तम दास वैष्णव, चालक दल से जीवीके ईएमआरआई ग्रीन हेल्थ सर्विसेज के तहत ईआरवी और हाईवे पेट्रोलिंग वाहनों में तैनात कुल 16 चालक उपस्थित रहे। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा ने पुनः दोहराया कि डायल 112 आपातकाल में आम जनता का सबसे बड़ा सहारा है,अतः इसमें किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी साथ ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा एवं नोडल अधिकारी डायल 112 द्वारा ईआरयू में तैनात अधिकारियो/कर्मचारियों एवं चालकों के बेहतर सेवाओं हेतु किये जा रहे प्रयास की प्रशंसा की गई एवं बेहतर कार्य करने वाले अधिकारी कर्मचारी एवं चालकों कों ईनाम देने हेतु अनुशंसा किया गया। बैठक के दौरान साइबर सेल में पदस्थ आरक्षक अनुज जायसवाल एवं आरक्षक वीरेन्द्र पैकरा द्वारा उपस्थित सभी अधिकारी-कर्मचारियों और चालकों को साइबर सुरक्षा के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा वर्तमान में चलाए जा रहे साइबर जागृति अभियान के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान की गई। साइबर एक्सपर्ट्स ने वर्तमान में चल रहे विभिन्न प्रकार के साइबर फ्रॉड जैसे-ओटीपी फ्रॉड, लोन ऐप स्कैम,फर्जी लिंक,सोशल मीडिया हैकिंग और डिजिटल अरेस्ट जैसे अपराधों के तौर-तरीकों के बारे में विस्तार से समझाया।

आम नागरिकों को जागरूक करने के दिए निर्देशः-डायल 112 के अधिकारी/कर्मचारी एवं चालक सीधे तौर पर जनता से जुड़े होते हैं और घटना स्थल पर सबसे पहले पहुंचते हैं। इसलिए,वे फील्ड में तैनाती के दौरान आम नागरिकों को भी साइबर अपराधों के विभिन्न प्रकारों के प्रति सतर्क रहने और जागरूक होने की जानकारी अनिवार्य रूप से पहुंचाएं। नागरिकों को बताएं कि वे किसी भी अनजान व्यक्ति से अपना ओटीपी,बैंक डिटेल या व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें,सतर्कता के बावजूद यदि कोई नागरिक साइबर ठगी का शिकार हो जाता है,तो उसे तुरंत भारत सरकार के राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल कर अपनी शिकायत दर्ज करानी चाहिए,ताकि समय रहते फ्रॉड की गई राशि को ब्लॉक कराया जा सके। इसके अलावा www.cybercrime.gov.in पर भी शिकायत दर्ज की जा सकती है।

एमजी रोड के गड्ढों पर लोकगीत के साथ सामाजिक कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

'हाय रे सरगुजा नाचे...' गीत पर नाचे कार्यकर्ता...खराब सड़क को लेकर जताया विरोध,बोले...शहर की प्रमुख सड़क बदहाल...राहगीर हो रहे परेशान...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,30 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

शहर की प्रमुख एमजी रोड की बदहाली को लेकर रविवार को सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अनूठे तरीके से प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने सरगुजिहा लोकगीत'हाय रे सरगुजा नाचे, अल्थी-काल्थी मादर बाजे'पर नृत्य कर सड़क की स्थिति को लेकर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि एमजी रोड पर जगह-जगह बड़े गड्ढे हो गए हैं। बारिश के कारण इन गड्ढों में पानी भर जाने से वाहन चालकों को उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता,जिससे हादसे की आशंका बनी रहती है। कार्यकर्ताओं ने बताया कि रेलवे स्टेशन से एमजी रोड के रास्ते शहर में प्रवेश करने वाले लोगों को खराब सड़क के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शहर में आयोजित होने वाले सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में आने वाले बाहरी लोगों के सामने भी अंबिकापुर की खराब छवि बन रही है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि शहर की कई सड़कें लंबे समय से मरम्मत का इंतजार कर रही हैं और अब गड्ढों में तब्दील होती जा रही हैं। उन्होंने प्रशासन से जल्द सड़क मरम्मत कराकर लोगों को राहत देने की मांग की।

सामाजिक कार्यकर्ताओं ने लोकगीत और नृत्य के माध्यम से अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि यह प्रदर्शन किसी विरोध के लिए नहीं, बल्कि जिम्मेदार विभागों का ध्यान समस्या की ओर आकर्षित करने के लिए किया गया है।

सदस्यता गई,विचारधारा नहीं...40 साल पुराने भाजपाई दुर्गाशंकर मिश्रा का 6 साल के निष्कासन के बाद ऐलान

अस्पताल में भर्ती दुर्गाशंकर मिश्रा पर संगठन की कार्रवाई, बोले-पार्टी से निकाला जा सकता है,विचारधारा से नहीं

-रवि सिंह-

एमसीबी,30 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले की भाजपा राजनीति में प्रदेश संगठन की एक कार्रवाई ने अंदरूनी सियासी समीकरणों को लेकर नई बहस छेड़ दी है,करीब चार दशक से भाजपा की राजनीति से जुड़े वरिष्ठ नेता और भरतपुर ब्लॉक के विधायक प्रतिनिधि दुर्गाशंकर मिश्रा को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से छह वर्ष के लिए निष्कासित कर दिया गया है,प्रदेश संगठन ने यह कार्रवाई पार्टी विरोधी गतिविधियों और संगठनात्मक अनुशासन प्रभावित करने संबंधी शिकायतों के आधार पर की है,भाजपा छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव के निर्देश पर प्रदेश महामंत्री नवीन मार्कंडेय ने 25 अगस्त 2026 को निष्कासन आदेश जारी किया। आदेश में कहा गया है कि कार्रवाई तत्काल प्रभाव से लागू होगी। लेकिन इस कार्रवाई ने एक दूसरा सवाल भी खड़ा कर दिया है की क्या चार दशक से पार्टी के साथ जुड़े एक वरिष्ठ नेता के खिलाफ कार्रवाई केवल अनुशासन का मामला है या इसके पीछे स्थानीय संगठन की अंदरूनी खींचतान भी बड़ी वजह है? मिश्रा ने संगठन के फैसले को स्वीकार करने की बात कही है, लेकिन कार्रवाई के समय और अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों पर सवाल उठाए हैं,उनका कहना है कि जिस समय वे गंभीर बीमारी के कारण रायपुर के अस्पताल में भर्ती थे, उसी दौरान उन्हें छह वर्ष के लिए पार्टी से बाहर कर दिया गया,उन्होंने स्पष्ट कहा कि पार्टी की प्राथमिक सदस्यता भले ही चली गई हो, लेकिन भाजपा की विचारधारा से उनका जुड़ाव खत्म नहीं हुआ है।

शिकायतों से शुरू हुआ विवाद

पार्टी सूत्रों के अनुसार भरतपुर-सोनहत क्षेत्र के कुछ कार्यकर्ताओं ने दुर्गाशंकर मिश्रा की गतिविधियों और संगठन में उनके हस्तक्षेप को लेकर प्रदेश संगठन के समक्ष शिकायतें की थीं, शिकायतों में कथित तौर पर संगठन के भीतर गुटबाजी को बढ़ावा देने,कार्यकर्ताओं को परेशान करने और पार्टी की बैठकों एवं कार्यक्रमों को प्रभावित करने जैसे आरोप लगाए गए,इन शिकायतों को प्रदेश संगठन ने गंभीरता से लिया और 20 जुलाई 2026 को मिश्रा को कारण बताओ नोटिस जारी कर उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया,मिश्रा ने 25 जुलाई 2026 को अपना लिखित जवाब प्रदेश संगठन को दिया, अपने जवाब में उन्होंने पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोपों को खारिज किया और अपने लंबे संगठनात्मक जीवन का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने लगातार भाजपा के विस्तार और संगठन को मजबूत करने के लिए काम किया है,हालांकि प्रदेश संगठन उनके स्पष्टीकरण से संतुष्ट नहीं हुआ और इसके बाद निष्कासन की कार्रवाई कर दी गई।

अस्पताल में भर्ती थे, तभी आया निष्कासन आदेश

निष्कासन के बाद मिश्रा का बयान इस पूरे घटनाक्रम को और भावनात्मक बना देता है, मिश्रा के अनुसार जब संगठन ने उनके खिलाफ कार्रवाई की,उस समय वे गंभीर बीमारी के चलते रायपुर के नारायणा/एमएमआई अस्पताल में भर्ती थे,उनका कहना है कि बीमारी से जूझ रहे व्यक्ति के खिलाफ उसी दौरान पार्टी से निष्कासन की कार्रवाई होना उनके लिए बेहद पीड़ादायक रहा, उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, विधायक रेणुका सिंह और जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह सहित कई नेताओं ने अस्पताल पहुंचकर उनका हालचाल जाना था,मिश्रा के लिए यही घटनाक्रम अब भावनात्मक सवाल बन गया है–एक तरफ अस्पताल में पार्टी से जुड़े नेता उनका हाल जान रहे थे और दूसरी तरफ संगठनात्मक स्तर पर उन्हें छह वर्ष के लिए निष्कासित करने का आदेश जारी हो गया।

पार्टी से निकाल सकते हैं,विचारधारा से नहीं...

निष्कासन के बाद भी मिश्रा ने भाजपा की विचारधारा से दूरी बनाने से साफ इनकार किया है, उनका कहना है कि संगठन की प्राथमिक सदस्यता खत्म होने से उनकी राजनीतिक सोच खत्म नहीं हो सकती,उन्होंने खुद को सनातनी बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में भाजपा द्वारा किए जा रहे कार्यों के प्रति अपनी निष्ठा कायम रहने की बात कही है,उनके बयान का सार यही है कि संगठनात्मक सदस्यता समाप्त हो सकती है, लेकिन विचारधारा से रिश्ता समाप्त नहीं होता।

1986 से भाजपा से जुड़ाव,अब संगठन से बाहर...

दुर्गाशंकर मिश्रा का दावा है कि उनका भाजपा से जुड़ाव वर्ष 1986 से है, यानी लगभग 40 वर्षों तक वे भाजपा की राजनीति और संगठनात्मक गतिविधियों से जुड़े रहे,उनके राजनीतिक सफर में 1993 से 1997 तक जनकपुर के सरपंच रहने का कार्यकाल भी शामिल है,इसके अलावा वे दो बार जनपद उपाध्यक्ष,तीन बार जनपद सदस्य और भाजपा जिला उपाध्यक्ष जैसे दायित्व संभाल चुके हैं,भरतपुर-सोनहत विधायक रेणुका सिंह के करीबी नेताओं में भी उनकी गिनती होती रही है,वर्तमान में वे भरतपुर ब्लॉक में विधायक प्रतिनिधि की जिम्मेदारी संभाल रहे थे,ऐसे में चार दशक लंबे राजनीतिक जुड़ाव के बाद छह वर्ष का निष्कासन केवल एक संगठनात्मक आदेश नहीं माना जा रहा है। इसके राजनीतिक मायने भी तलाशे जा रहे हैं।

अपने ही जवाब में संगठन पर उठाए थे सवाल

कार्रवाई से पहले मिश्रा द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण में सिर्फ आरोपों का खंडन ही नहीं किया गया था, बल्कि क्षेत्र की संगठनात्मक कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए गए थे,मिश्रा ने आरोप लगाया था कि कुछ पदाधिकारियों के कांग्रेस नेताओं के साथ आंतरिक संबंध हैं और इसके कारण लंबे समय से भाजपा के लिए काम करने वाले समर्पित कार्यकर्ताओं की उपेक्षा हो रही है,यही वजह है कि अब उनके निष्कासन को लेकर पार्टी के भीतर और बाहर यह चर्चा तेज है कि क्या यह मामला केवल अनुशासन का था या संगठन के भीतर चल रही पुरानी खींचतान भी इस विवाद की पृष्ठभूमि में थी? हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और भाजपा की ओर से मिश्रा के इन आरोपों पर कोई विस्तृत सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

वापसी के लिए गुहार नहीं लगाएंगे

मिश्रा ने यह भी स्पष्ट किया है कि वे पार्टी में वापसी के लिए किसी के सामने गुहार नहीं लगाएंगे, उनका कहना है कि भाजपा की विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए किसी पद या संगठनात्मक जिम्मेदारी की आवश्यकता नहीं है, उनका आरोप है कि कुछ मौकापरस्त कार्यकर्ताओं ने प्रदेश संगठन को भ्रमित कर उनके खिलाफ कार्रवाई का माहौल बनाया, यह आरोप भी फिलहाल मिश्रा के पक्ष का दावा है और इस पर प्रदेश भाजपा की ओर से कोई विस्तृत सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

चुनाव को लेकर भी दिए संकेत

निष्कासन के बावजूद मिश्रा ने राजनीतिक गतिविधियों से पूरी तरह अलग होने के संकेत नहीं दिए हैं,उन्होंने कहा है कि स्वास्थ्य में सुधार होने के बाद वे अपने समर्थकों से चर्चा करेंगे और पूरे घटनाक्रम को लेकर विस्तृत वीडियो बयान जारी करेंगे,उन्होंने आगामी चुनाव को लेकर भी संकेत दिया है कि एक विशेष प्रत्याशी को छोड़कर अन्य प्रत्याशियों के लिए वे अपने स्तर पर सहयोग करेंगे,यानी पार्टी से छह वर्ष का निष्कासन भले ही तत्काल प्रभाव से लागू हो गया हो,लेकिन मिश्रा के राजनीतिक रूप से सक्रिय रहने की संभावना खत्म नहीं हुई है।

कार्रवाई से किसका समीकरण बदलेगा?

एमसीबी जिले की राजनीति में इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यही है कि दुर्गाशंकर मिश्रा कोई नए या हाल में सक्रिय हुए कार्यकर्ता नहीं हैं,करीब चार दशक से भाजपा से जुड़े नेता के खिलाफ छह वर्ष की कार्रवाई स्थानीय संगठन के भीतर भी संदेश देने वाली मानी जा रही है,दूसरी तरफ मिश्रा का बयान बताता है कि वे संगठन के फैसले को स्वीकार करते हुए भी अपने राजनीतिक संबंधों और विचारधारा से पीछे हटने के मूड में नहीं हैं,अब असली परीक्षा भरतपुर-सोनहत क्षेत्र के भाजपा संगठन की होगी,देखना यह होगा कि इस निष्कासन के बाद स्थानीय कार्यकर्ताओं की प्रतिक्रिया क्या रहती है,मिश्रा के समर्थक किस तरह की भूमिका अपनाते हैं और आने वाले चुनाव में यह घटनाक्रम भाजपा के स्थानीय समीकरणों को किस हद तक प्रभावित करता है,एक तरफ प्रदेश संगठन का संदेश है-अनुशासन सर्वोपरि। दूसरी तरफ चार दशक पुराने नेता का जवाब है-सदस्यता जा सकती है,विचारधारा नहीं,एमसीबी भाजपा में अब यह विवाद सिर्फ निष्कासन आदेश तक सीमित नहीं दिख रहा,आने वाले दिनों में मिश्रा के प्रस्तावित वीडियो बयान और उनके समर्थकों की अगली रणनीति इस पूरे प्रकरण की दिशा तय कर सकती है।

24 घंटे अखंड दुर्गा चालीसा पाठ सम्पन्न नशामुक्ति सद्भावना रैली निकाली गई

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,30 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

भगवती मानव कल्याण संगठन जिला इकाई अंबिकापुर के तत्वावधान में 24 घंटे अखंड श्री दुर्गा चालीसा पाठ का भव्य आयोजन नगर माता राजमोहिनी भवन,एमजी रोड में सम्पन्न हुआ। 29 अगस्त सुबह 11 बजे से शुरू हुआ चालीसा पाठ निरंतर 24 घंटे तक चला,जिसका नगरवासियों ने लाभ लिया। 30 अगस्त को प्रातः 9 बजे शहर में नशामुक्ति सद्भावना रैली निकाली गई। इसके बाद 11 बजे चालीसा पाठ के समापन उपरांत माता भगवती आदिशक्ति जगत जननी जगदंबा और परमपूज्य गुरुवर श्री शक्तिपुत्र जी महाराज की आरती की गई। कार्यक्रम में संगठन के केंद्रीय महासचिव अजय अवस्थी ने कहा कि आज के समय में नशा एक बड़ी महामारी है,जिसे जीवन से दूर भगाना ही हितकारी है। नशे के कारण मनुष्य पतन की ओर बढ़ रहा है,उसकी शारीरिक, मानसिक और आर्थिक क्षति हो रही है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य इसी महामारी को दूर भगाना है। पूज्य गुरुवर के अनुसार प्रत्येक मनुष्य के तीन कर्तव्य हैं-धर्म की रक्षा,राष्ट्र की रक्षा और मानवता की सेवा। धर्म धारण करने से कल्याण निश्चित है,क्योंकि माता भगवती हमारी आत्मा की मूल जननी हैं। जीवन में परेशानियों से घबराने की आवश्यकता नहीं है। धर्मनिष्ठ होने से दुनिया की कोई भी समस्या पार की जा सकती है। उन्होंने कहा...जीवन में समस्या बाहर नहीं बल्कि मनुष्य के अंदर है। 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' इस सूत्र वाक्य को सतत अमल में लाना चाहिए। हमें किसी अन्य पर नहीं,बल्कि स्वयं पर विजय पाना है। अंदर की बुराइयों को दूर करने के लिए धर्म पथ पर चलना आवश्यक है। उन्होंने पूरे जिले सहित प्रदेश में नशामुक्त,मांसाहार मुक्त,चरित्रवान और चेतनावान समाज के निर्माण की इस विचारधारा से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का आग्रह किया।

चट्टीडांड़ के बच्चों ने पेड़ों को बांधी राखी,लिया प्रकृति की रक्षा का संकल्प

रक्षाबंधन पर 11 विद्यार्थियों ने अपने गोद लिए वृक्षों को बनाया 'वृक्ष मित्र', नियमित देखभाल और सुरक्षा का लिया जिम्मा

-संवाददाता-

सूरजपुर,30 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

रक्षाबंधन का पर्व जहां भाई-बहन के बीच प्रेम, स्नेह और सुरक्षा के संकल्प का प्रतीक है, वहीं शासकीय प्राथमिक शाला चट्टीडांड़ के बच्चों ने इस पर्व को प्रकृति संरक्षण से जोड़कर एक अनूठा संदेश दिया,विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपने द्वारा पूर्व में गोद लिए गए 11 वृक्षों को राखी बांधकर उनकी सुरक्षा और नियमित देखभाल का संकल्प लिया। शनिवार को आयोजित बैगलेस डे के अवसर पर रक्षाबंधन विशेष गतिविधि के तहत विद्यार्थियों ने पर्यावरण अनुकूल राखियां तैयार कर अपने-अपने गोद लिए वृक्षों को बांधीं, बच्चों ने संकल्प लिया कि वे इन वृक्षों की नियमित सिंचाई करेंगे, उन्हें नुकसान से बचाएंगे,आसपास स्वच्छता बनाए रखेंगे और उनकी वृद्धि के लिए आवश्यक देखभाल करेंगे।

'एक बच्चा,एक वृक्ष' से शुरू हुई पहल-विद्यालय में पूर्व में आयोजित वन महोत्सव सप्ताह के दौरान पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से'एक बच्चा, एक वृक्ष' अभियान की शुरुआत की गई थी,इसके तहत विद्यालय के 11 विद्यार्थियों ने गांव एवं आसपास के क्षेत्र में स्थित 11 वृक्षों को गोद लेकर उनकी देखभाल की जिम्मेदारी स्वीकार की थी,रक्षाबंधन के अवसर पर इन्हीं वृक्षों को राखी बांधकर बच्चों ने अपने संकल्प को एक भावनात्मक रूप दिया। अब इन बच्चों के लिए ये वृक्ष केवल पौधे या पेड़ नहीं,बल्कि उनके'वृक्ष मित्र' बन गए हैं।

किताबों से निकलकर प्रकृति के बीच पहुंचा पाठ-प्रधान पाठक गौतम शर्मा ने बच्चों को रक्षाबंधन के महत्व के साथ पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता समझाई,उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के बीच प्रेम और सुरक्षा का पर्व नहीं है,बल्कि इसे प्रकृति की रक्षा के संकल्प से भी जोड़ा जा सकता है,उन्होंने बच्चों को बताया कि वृक्ष मानव जीवन के लिए शुद्ध हवा,फल,छाया और अनेक आवश्यक प्राकृतिक संसाधन उपलब्ध कराते हैं,ऐसे में वृक्षों की रक्षा करना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है,प्रधान पाठक ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण का महत्व केवल पुस्तकों में पढ़ाने के बजाय बच्चों को प्रकृति से सीधे जोड़कर समझाना अधिक प्रभावी होता है,जब बच्चा किसी पेड़ को अपना मित्र मानकर उसकी जिम्मेदारी स्वीकार करता है,तो पर्यावरण संरक्षण उसके लिए केवल पाठ नहीं रह जाता, बल्कि उसके व्यवहार का हिस्सा बन जाता है।

राखी के धागे में बंधा पेड़ और बच्चे का रिश्ता-कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने अपने गोद लिए वृक्षों को राखी बांधी और उनकी रक्षा का संकल्प लिया, इस दौरान बच्चों का संदेश था कि जिन वृक्षों को हमने गोद लिया है,उनकी रक्षा का वचन भी हम निभाएंगे,बच्चों की इस पहल ने रक्षाबंधन के पारंपरिक भाव को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ दिया। जिस तरह भाई-बहन एक-दूसरे की सुरक्षा का वचन लेते हैं,उसी तरह बच्चों ने पेड़ों की सुरक्षा और देखभाल की जिम्मेदारी उठाई।

छोटे कदम, बड़ा संदेश-विद्यालय की इस पहल का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि पर्यावरण संरक्षण की आदत यदि बचपन से विकसित हो,तो उसका प्रभाव लंबे समय तक बना रहता है, एक बच्चे द्वारा एक वृक्ष की देखभाल करने की छोटी-सी पहल भविष्य में पूरे समुदाय को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का माध्यम बन सकती है,चट्टीडांड़ के इन नन्हे 'पर्यावरण प्रहरियों' ने रक्षाबंधन के मौके पर यह संदेश दिया कि प्रकृति भी हमारे संरक्षण की उतनी ही हकदार है,जितना हम उसके संसाधनों के,एक बच्चा,एक वृक्ष से शुरू हुई पहल अब वृक्ष मित्र की जिम्मेदारी तक पहुंच गई है–और 11 राखियों के इन धागों में बच्चों ने प्रकृति की रक्षा का बड़ा संकल्प बांध दिया है।

खड़गवां में प्रधानमंत्री आवास योजना पर सवाल....पक्के मकान वालों को भी लाभ देने का आरोप,पुराने घर की छत पर आवास निर्माण की शिकायत,जांच की मांग

-राजेन्द्र शर्मा-

खड़गवां,30 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

गरीब और जरूरतमंद परिवारों को पक्की छत उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के क्रियान्वयन को लेकर खड़गवां मुख्यालय में गंभीर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि योजना के तहत ऐसे लोगों को भी आवास का लाभ दिया गया, जिनके पास पहले से पक्के मकान मौजूद थे।

कुछ मामलों में तो पूर्व से निर्मित पक्के मकानों की छत के ऊपर ही प्रधानमंत्री आवास का निर्माण कराए जाने की शिकायत सामने आई है। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो यह मामला योजना की पात्रता, सर्वे और सत्यापन प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

पक्के मकान वालों को कैसे मिला लाभ?-प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य ऐसे जरूरतमंद परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराना है,जिनके पास रहने के लिए उपयुक्त आवास नहीं है,ऐसे में पहले से पक्के मकान वाले परिवारों को योजना का लाभ मिलने का आरोप सामने आने के बाद स्थानीय स्तर पर जांच की मांग तेज हो गई है,सवाल यह है कि आवास स्वीकृति से पहले हितग्राही का सर्वे और भौतिक सत्यापन किस आधार पर किया गया? यदि संबंधित परिवार के पास पहले से पक्का मकान मौजूद था तो सर्वे के दौरान इसकी जानकारी दर्ज क्यों नहीं हुई? और यदि जानकारी मौजूद थी तो पात्रता किस आधार पर तय की गई? इन सवालों का जवाब केवल दस्तावेजों की जांच से नहीं, बल्कि मौके पर भौतिक सत्यापन से भी सामने आ सकता है।

पुराने मकान की छत पर नया आवास?-मामले का सबसे चौंकाने वाला आरोप यह है कि कुछ स्थानों पर पहले से निर्मित पक्के मकानों के ऊपर प्रधानमंत्री आवास का निर्माण कराया गया,यदि यह तथ्य जांच में सही साबित होता है तो यह पता लगाना जरूरी होगा कि योजना की स्वीकृति के समय संबंधित स्थान पर पुराना निर्माण मौजूद था या नहीं,पुराने मकान की तस्वीरें, आवास निर्माण की जियो-टैगिंग, निर्माण की तारीख,किस्त जारी होने का रिकॉर्ड और वर्तमान स्थिति का मिलान किया जाए तो वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकती है,यानी इस मामले में जांच के लिए किसी जटिल प्रक्रिया की जरूरत नहीं है, मौके पर पहुंचकर पुराने और नए निर्माण का रिकॉर्ड मिलाया जाए तो काफी कुछ साफ हो सकता है।

पंचायत और जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर सवाल-मामला केवल हितग्राहियों तक सीमित नहीं है, स्थानीय पंचायत और योजना के सर्वे-सत्यापन से जुड़े जिम्मेदार कर्मचारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में आनी चाहिए, यदि मौके पर पहले से पक्का मकान मौजूद था तो सर्वे करने वाले कर्मचारियों की नजर उस पर क्यों नहीं पड़ी?

क्या स्थल निरीक्षण वास्तव में किया गया था? क्या पात्रता से जुड़े दस्तावेजों की जांच हुई? यदि हुई तो अपात्र व्यक्ति को लाभ कैसे मिला? यदि यह महज मानवीय या प्रक्रियागत गलती थी तो उसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए,वहीं यदि जांच में जानबूझकर नियमों की अनदेखी या किसी को लाभ पहुंचाने की बात सामने आती है तो संबंधित जिम्मेदारों पर कार्रवाई भी आवश्यक होगी।

असली जरूरतमंदों के अधिकार का सवाल-प्रधानमंत्री आवास योजना में अपात्र व्यक्ति को लाभ मिलने का सबसे बड़ा नुकसान उन परिवारों को हो सकता है जो वास्तव में योजना के पात्र हैं, सरकारी संसाधन सीमित होने की स्थिति में यदि लाभ गलत व्यक्ति तक पहुंचता है तो किसी वास्तविक जरूरतमंद परिवार को उसका अधिकार मिलने में देरी हो सकती है,इसीलिए स्थानीय लोगों की मांग है कि खड़गवां मुख्यालय में योजना के तहत स्वीकृत संदिग्ध आवासों की भौतिक जांच कराई जाए और पुराने मकान, नए निर्माण तथा जारी की गई राशि का रिकॉर्ड मिलाया जाए।

जांच से सामने आएगा सच

यदि आरोप गलत हैं तो निष्पक्ष जांच के बाद स्थिति स्पष्ट हो जाएगी और संबंधित हितग्राहियों को भी राहत मिलेगी, लेकिन यदि जांच में अपात्र हितग्राहियों को लाभ देने की पुष्टि होती है तो सरकारी राशि की वसूली के साथ यह भी तय करना होगा कि पात्रता और स्वीकृति प्रक्रिया में चूक किस स्तर पर हुई,अब असली सवाल यही है–यदि पहले से पक्के मकान मौजूद थे तो सर्वे में वे दिखाई क्यों नहीं दिए? पात्रता किसने तय की और सरकारी राशि किसके सत्यापन के आधार पर जारी हुई? खड़गवां में उठे इन सवालों का जवाब आरोप-प्रत्यारोप से नहीं,बल्कि मौके की जांच,दस्तावेजों के मिलान और जिम्मेदारी तय करने से ही सामने आएगा।

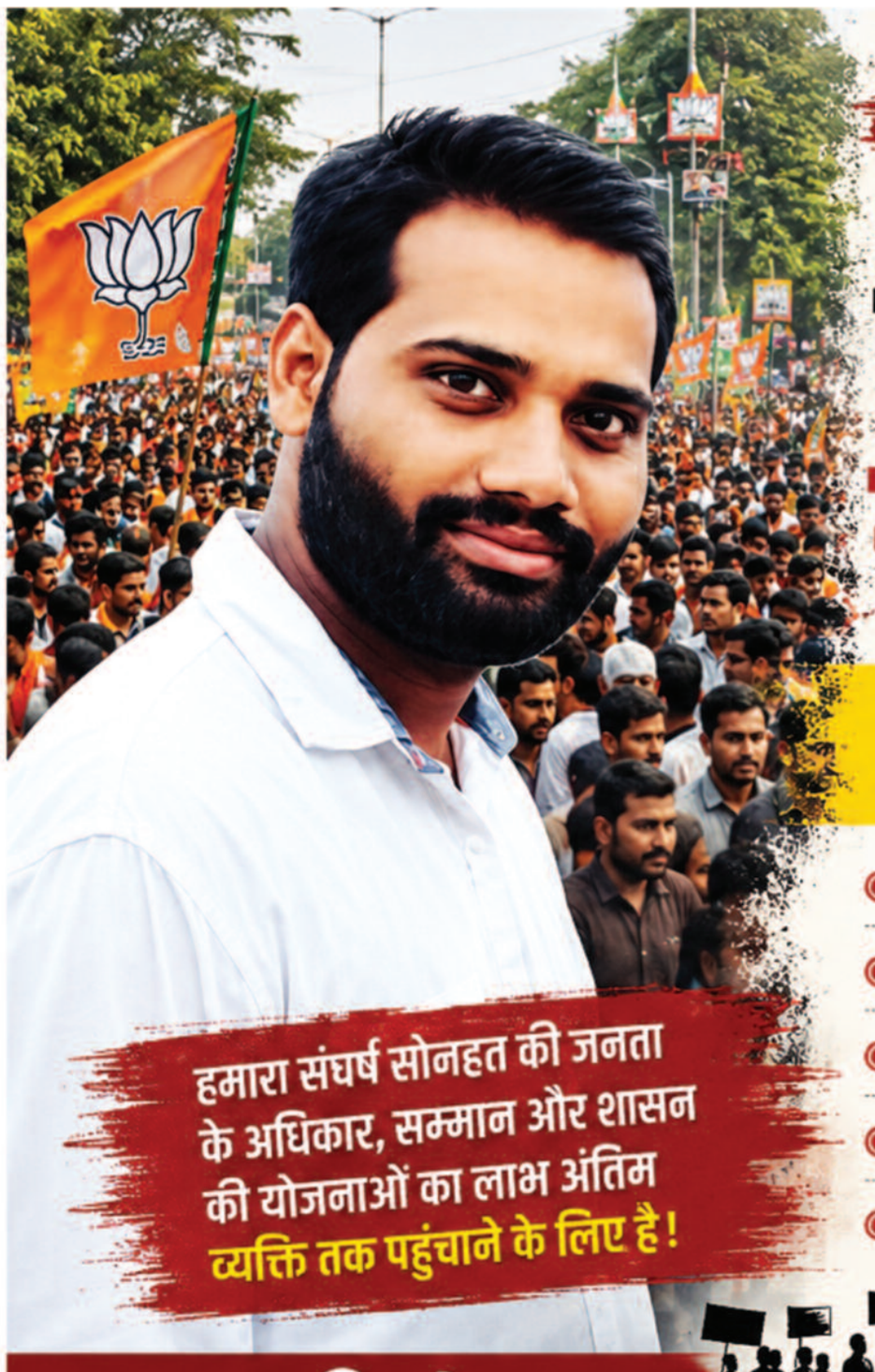

सोनहत में 'सरकार अपनी,फिर भी सुनवाई नहीं!'

अफसरशाही के खिलाफ भाजपा नेता ने खोला मोर्चा

पहले चेतावनी यात्रा,फिर 10 सितंबर से सत्याग्रह,मनोज साहू बोले...दस्तावेजों के साथ जनता के बीच रखेंगे कथित गड़बड़ियों का हिसाब

-राजन पाण्डेय-

सोनहत,30 अगस्त 2026 (घटती-घटना)। सत्ता भाजपा की, सरकार भाजपा की और आंदोलन की चेतावनी देने वाला नेता भी भाजपा का...फिर आखिर सोनहत में ऐसी कौन-सी प्रशासनिक कहानी लिखी जा रही है कि अपनी ही सरकार के दौर में भाजपा नेता को अधिकारियों के खिलाफ सड़क पर उतरने और सत्याग्रह करने की घोषणा करनी पड़ रही है? सोनहत की राजनीति में इन दिनों यही सवाल सबसे अधिक चर्चा में है। भाजपा नेता मनोज साहू ने 10 सितंबर से सत्याग्रह शुरू करने का ऐलान किया है,इससे पहले क्षेत्र में चेतावनी यात्रा निकालने की तैयारी है,साहू का आरोप है कि सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन से लेकर नियुक्तियों,पदस्थापनाओं,शिकायतों के निराकरण और जनप्रतिनिधियों की सुनवाई तक कई ऐसे मामले हैं जिन पर प्रशासन से जवाब मांगा जाना चाहिए,हालांकि ये तमाम आरोप फिलहाल मनोज साहू और आंदोलन से जुड़े पक्ष के दावे हैं। इनकी स्वतंत्र जांच और प्रशासन का विस्तृत पक्ष सामने आना जरूरी है। लेकिन सवाल यह भी है कि यदि शिकायतें लगातार उठ रही हैं तो उनका दस्तावेजी और बिंदुवार जवाब सामने क्यों नहीं आना चाहिए?

'अपनी सरकार' में सत्याग्रह की नौबत क्यों?-सोनहत के इस आंदोलन की सबसे दिलचस्प राजनीतिक तस्वीर यही है,सामान्यतः विपक्ष सत्ता और प्रशासन के खिलाफ धरना देता है,लेकिन यहां भाजपा नेता ही प्रशासनिक व्यवस्था के खिलाफ सत्याग्रह की तैयारी कर रहे हैं,यानी राजनीतिक भाषा में कहें तो 'सरकार से शिकायत नहीं,सरकार के अफसरों से हिसाब चाहिए,मनोज साहू की घोषणा को इसी वजह से केवल स्थानीय आंदोलन मानकर नजरअंदाज करना आसान नहीं होगा,यदि सत्ताधारी दल से जुड़ा कोई नेता सार्वजनिक रूप से यह कहने लगे कि प्रशासन जनहित की शिकायतों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं कर रहा, तो सवाल सिर्फ शिकायतकर्ता का नहीं रहता–प्रशासनिक जवाबदेही का भी बन जाता है।

प्रधानमंत्री आवास योजना पर उठे सवाल ने बढ़ाई गर्मी

इस विवाद का एक संवेदनशील पहलू प्रधानमंत्री आवास योजना से जुड़ा है, साहू ने आरोप लगाया है कि एक अधिकारी द्वारा योजना को लेकर कथित रूप से अमर्यादित टिप्पणी की गई, लेकिन उसके बाद भी प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई,यह आरोप गंभीर है और इसकी सत्यता की निष्पक्ष जांच आवश्यक है,यदि ऐसी कोई टिप्पणी नहीं हुई तो प्रशासन को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए,यदि हुई तो यह भी बताया जाना चाहिए कि शिकायत मिलने के बाद क्या जांच हुई और उसका परिणाम क्या रहा, क्योंकि प्रधानमंत्री आवास योजना महज सरकारी फाइल का नाम नहीं है,गरीब परिवार के लिए यह पक्की छत की उम्मीद है। ऐसे में योजना को लेकर किसी अधिकारी के कथित व्यवहार या टिप्पणी पर सवाल उठता है तो उसका जवाब भी उतना ही स्पष्ट होना चाहिए।

नियुक्तियों का दरवाजा सामने है या बैकडोर भी खुला है?

आंदोलन की घोषणा में दूसरा बड़ा मुद्दा कथित नियुक्तियों और पदस्थापनाओं का है,मनोज साहू ने कुछ मामलों में मनमानी नियुक्ति, पदस्थापना और 'बैकडोर एंट्री' का आरोप लगाया है, बैकडोर एंट्री शब्द अपने आप में गंभीर है,इसलिए इसे राजनीतिक आरोप की तरह छोड़ देने के बजाय संबंधित मामलों के दस्तावेज सामने आने चाहिए,किस पद पर नियुक्ति हुई? योग्यता क्या निर्धारित थी? विज्ञापन कब निकला? चयन प्रक्रिया क्या रही? चयन समिति में कौन थे? कितने आवेदन आए और चयन किस आधार पर हुआ? यदि सभी नियुक्तियां नियमानुसार हैं तो रिकॉर्ड सामने आने के बाद विवाद काफी हद तक समाप्त हो सकता है,लेकिन यदि दस्तावेजों में नियमों से विचलन दिखाई देता है तो फिर मामला आंदोलन से आगे जांच और जिम्मेदारी तय करने तक पहुंच सकता है,यानी अब गेंद आरोप लगाने वाले के साथ-साथ प्रशासन के पाले में भी है–एक पक्ष को प्रमाण रखने होंगे और दूसरे को उनका तथ्यात्मक जवाब देना होगा।

योजनाएं जनता के लिए हैं या फाइलों के लिए?-साहू ने केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर सवाल उठाए हैं,उनका आरोप है कि पात्र हितग्राहियों को लाभ लेने के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं,अब यहां प्रशासन के सामने सीधा सवाल है–यदि योजनाओं का क्रियान्वयन नियम और पारदर्शिता के साथ हो रहा है तो आंकड़े सामने रखे जाएं,कितने आवेदन आए? कितने स्वीकृत हुए? कितने लंबित हैं? कितने निरस्त हुए और किस आधार पर? सरकारी योजनाओं में आंकड़े सबसे अच्छा जवाब होते हैं,क्योंकि भाषण में सब कुछ 'सुचारू' हो सकता है, लेकिन फाइल और लाभार्थियों की सूची बता देती है कि व्यवस्था वास्तव में कितनी सुचारू है।

क्या जनप्रतिनिधि भी 'प्रतीक्षा सूची' में हैं?-साहू ने जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों की सुनवाई को लेकर भी प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं,लोकतंत्र में अधिकारी और निर्वाचित जनप्रतिनिधि व्यवस्था के दो महत्वपूर्ण हिस्से हैं। दोनों की भूमिकाएं अलग हैं,लेकिन उद्देश्य जनता की समस्याओं का समाधान होना चाहिए,यदि किसी जनप्रतिनिधि की शिकायत नियमविरुद्ध है तो उसे अस्वीकार किया जा सकता है,लेकिन कारण बताया जाना चाहिए। यदि शिकायत सही है तो कार्रवाई होनी चाहिए,स्थिति तब विचित्र हो जाती है जब शिकायत कार्यालय में पहुंचती है, पत्र पर प्राप्ति हो जाती है और फिर मामला फाइलों की ऐसी यात्रा पर निकल जाता है जिसका अगला स्टेशन शिकायतकर्ता को ही पता नहीं चलता, सोनहत में अब सवाल यही है–शिकायतों का निराकरण हो रहा है या सिर्फ उनकी 'प्राप्ति' सुनिश्चित की जा रही है?

मनोज साहू का दावा...सत्याग्रह में खुलेंगी 'फाइलें'-मनोज साहू ने संकेत दिया है कि प्रस्तावित सत्याग्रह केवल नारे,भाषण और धरना-प्रदर्शन तक सीमित नहीं रहेगा, उनका दावा है कि प्रशासनिक अनियमितताओं,कथित फर्जी नियुक्तियों और योजनाओं के क्रियान्वयन से जुड़े दस्तावेज जनता के सामने रखे जाएंगे, यदि ऐसा होता है तो आंदोलन का स्वरूप महत्वपूर्ण हो सकता है,क्योंकि राजनीति में आरोप लगाना आसान है,लेकिन दस्तावेज के साथ आरोप लगाने पर सामने वाले पक्ष से भी दस्तावेजी जवाब की अपेक्षा बढ़ जाती है, हालांकि साहू के सामने भी कसौटी उतनी ही कड़ी होगी,जिन मामलों को वे कथित भ्रष्टाचार या अनियमितता के रूप में उठा रहे हैं, उनमें तारीख,आदेश,संबंधित पद,नियम और प्रमाण स्पष्ट रूप से सामने रखने होंगे,केवल आरोपों से जांच का निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता।

पहले चेतावनी यात्रा,फिर सत्याग्रह- 10 सितंबर के सत्याग्रह से पहले चेतावनी यात्रा निकालने की तैयारी इस आंदोलन को चरणबद्ध रणनीति का रूप देती दिखाई दे रही है,यात्रा के माध्यम से गांवों और स्थानीय लोगों के बीच जाकर शिकायतों को उठाने तथा प्रशासन को कार्रवाई का अवसर देने की बात कही जा रही है,इसका राजनीतिक संदेश भी साफ है–मामला अब कार्यालय के आवेदन और ज्ञापन से निकलकर जनता की चौपाल तक ले जाने की तैयारी है, यदि चेतावनी यात्रा में स्थानीय लोगों की भागीदारी बढ़ती है तो प्रशासन पर दबाव बढ़ सकता है, वहीं यदि प्रशासन आंदोलन से पहले प्रमुख शिकायतों पर तथ्यात्मक जवाब या कार्रवाई सामने रख देता है तो तस्वीर दूसरी हो सकती है।

शिकायत आई, जांच हुई...फिर रिपोर्ट कहां है?-पूर्व में की गई शिकायतों के निराकरण को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं, आंदोलनकारी पक्ष का आरोप है कि दस्तावेज और तथ्य देने के बावजूद कई मामलों में अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई, यहां प्रशासनिक व्यवस्था की पुरानी बीमारी जैसा एक सवाल सामने आता है–शिकायत की जांच और शिकायत का निपटारा क्या हमेशा एक ही चीज होती है? फाइल में निराकृत लिख देने और वास्तव में आरोपों की जांच कर जिम्मेदारी तय करने के बीच बड़ा अंतर है,यदि शिकायतों की जांच पहले हो चुकी है तो जांच रिपोर्ट सामने रखी जा सकती है। किस अधिकारी ने जांच की? किन दस्तावेजों को देखा गया? शिकायत सही मिली या गलत? यदि गलत मिली तो आधार क्या था? यदि सही मिली तो कार्रवाई क्या हुई? इन सवालों के जवाब सार्वजनिक होने पर ही यह तय हो सकेगा कि आरोपों में तथ्य हैं या आंदोलन राजनीतिक दबाव बनाने का माध्यम भर है।

'सिस्टम' की परीक्षा भी,आंदोलन की भी-सोनहत के इस घटनाक्रम में केवल प्रशासन ही परीक्षा में नहीं है,आंदोलन करने वाले भाजपा नेता की विश्वसनीयता भी दांव पर होगी,यदि मनोज साहू अपने दावों के समर्थन में ठोस दस्तावेज सार्वजनिक करते हैं तो प्रशासन को उनका बिंदुवार उत्तर देना पड़ेगा,लेकिन यदि आरोपों के अनुरूप प्रमाण सामने नहीं आते तो सवाल आंदोलन की गंभीरता पर भी उठेंगे,यही लोकतांत्रिक जवाबदेही है...आरोप लगाने वाला प्रमाण दे और जिस पर आरोप है वह जवाब दे, फिलहाल साहू के आरोपों को अंतिम सत्य नहीं माना जा सकता और प्रशासन को भी केवल मौन के आधार पर दोषी नहीं ठहराया जा सकता। निष्पक्ष तस्वीर दोनों पक्षों के दस्तावेज सामने आने के बाद ही बनेगी।

10 सितंबर...सत्याग्रह या सोनहत की 'प्रशासनिक ऑडिट'?-अब निगाह 10 सितंबर पर है, एक तरफ प्रशासन है, जिसके पास सरकारी रिकॉर्ड,आदेश,जांच रिपोर्ट और योजनाओं के आंकड़े हैं। दूसरी तरफ आंदोलन की घोषणा करने वाले मनोज साहू हैं,जो कथित अनियमितताओं के दस्तावेज जनता के सामने रखने का दावा कर रहे हैं,ऐसे में सत्याग्रह यदि घोषित रूप में होता है तो यह सिर्फ धरना नहीं रहेगा,यह सार्वजनिक मंच पर आरोप बनाम सरकारी रिकॉर्ड की लड़ाई भी बन सकता है, और सोनहत की राजनीति में सबसे बड़ा व्यंग्य शायद यही है...जब अपनी ही सरकार के नेता को अपनी ही सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन और अफसरों की कार्यप्रणाली पर सवाल लेकर सत्याग्रह की राह पकड़नी पड़े, तो सवाल आंदोलन से ज्यादा व्यवस्था से पूछे जाते हैं,अब प्रशासन के पास दो रास्ते दिखाई देते हैं–आरोपों को तथ्यहीन मानता है तो दस्तावेजों के साथ उनका खंडन करे,और यदि शिकायतों में तथ्य मिलते हैं तो जांच कर जिम्मेदारी तय करे, क्योंकि 10 सितंबर को केवल मनोज साहू सत्याग्रह पर नहीं बैठेंगे,उनके साथ एक सवाल भी प्रशासन के सामने बैठेगा–सोनहत में शासन की योजनाएं आखिर चल किसके हिसाब से रही हैं–नियमों के,जनता के या फाइलों के?

मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा ने किया सूरजपुर जिला न्यायालय का निरीक्षण

न्यायिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का लिया जायजा,न्यायिक अधिकारियों,कलेक्टर-एसपी और अधिवक्ताओं से की चर्चा...

-संवाददाता-
सूरजपुर,30 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा ने शनिवार को जिला न्यायालय सूरजपुर का निरीक्षण किया,उनके आगमन पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश थॉमस एक्का सहित जिला न्यायालय के समस्त न्यायिक अधिकारियों एवं न्यायालय परिवार ने आत्मीय स्वागत किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य न्यायाधिपति के साथ उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल रजनीश श्रीवास्तव तथा संयुक्त रजिस्ट्रार-सह-निजी सचिव एल.वी.एल.एन. भी उपस्थित रहे,मुख्य न्यायाधिपति ने जिला न्यायालय परिसर में संचालित विभिन्न न्यायालयों तथा अलग-अलग अनुभागों का निरीक्षण किया, इस दौरान उन्होंने न्यायालयीन कार्यों के संचालन,उपलब्ध सुविधाओं, न्यायिक कार्यप्रणाली तथा प्रशासनिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

न्यायिक अधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक-निरीक्षण के बाद जिला न्यायालय के

वीडियो कॉन्फ्रेंस कक्ष में मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा की अध्यक्षता में जिला न्यायालय के समस्त न्यायिक अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई, बैठक में जिला कलेक्टर सूरजपुर और पुलिस अधीक्षक सूरजपुर भी शामिल हुए,बैठक में न्यायालयीन व्यवस्थाओं, न्यायिक कार्यों के सुचारू संचालन तथा न्यायिक अधिकारियों के समक्ष आने वाली विभिन्न समस्याओं और आवश्यकताओं पर विस्तार से चर्चा की गई,मुख्य न्यायाधिपति ने न्यायिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी और सुचारू बनाने के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया।

अधिवक्ताओं से भी किया संवाद-इसके बाद मुख्य न्यायाधिपति श्री रमेश सिन्हा ने जिला न्यायालय के अधिवक्ता संघ के पदाधिकारियों एवं अधिवक्ताओं से बार कक्ष में मुलाकात की,इस दौरान उन्होंने न्यायालयीन कार्यों से जुड़े विभिन्न विषयों पर अधिवक्ताओं से चर्चा की तथा उनकी समस्याओं और सुझावों को सुना, अधिवक्ताओं के साथ संवाद को न्यायिक व्यवस्था और बार-बेंच के बीच बेहतर समन्वय की दिशा में महत्वपूर्ण माना गया।

निरीक्षण से व्यवस्था को मिलेगा मार्गदर्शन-मुख्य न्यायाधिपति के निरीक्षण के दौरान न्यायालयीन कार्यप्रणाली से लेकर आधारभूत सुविधाओं और प्रशासनिक व्यवस्थाओं तक विभिन्न पहलुओं का अवलोकन किया गया। न्यायिक अधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों और अधिवक्ताओं के साथ संवाद के माध्यम से स्थानीय स्तर पर सामने आने वाली समस्याओं को समझने का अवसर भी मिला,मुख्य न्यायाधिपति के इस निरीक्षण से जिला न्यायालय सूरजपुर की न्यायिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी,सुचारू तथा जनोन्मुख बनाने की दिशा में आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

CMYK

कियारा आडवाणी की झोली में आ सकती है नई फिल्म

बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी इन दिनों अपने करियर के शानदार दौर से गुजर रही हैं। अब खबर सामने आ रही है कि उनकी आने वाली फिल्मों की सूची में एक और बड़ा प्रोजेक्ट शामिल हो सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक,कियारा को मशहूर निर्देशक आर. बाल्की की रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'की एंड का 2' में फीमेल लीड रोल के लिए अप्रोच किया गया है। हालांकि,अभी तक फिल्म को लेकर आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है और कियारा ने भी इस प्रोजेक्ट को साइन नहीं किया है। लेकिन खबरों के अनुसार, अभिनेत्री ने फिल्म में अपनी रुचि दिखाई है।

टॉक्सिक' के बाद चर्चा में कियारा

कियारा आडवाणी इन दिनों लगातार बड़े प्रोजेक्ट्स को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उनका नाम साउथ सुपरस्टार यश की फिल्म 'टॉक्सिक' से जुड़ा था,जिसमें उनके काम करने की खबरें सामने आई थीं। इसके बाद अब 'की एंड का 2' में उनके शामिल होने की संभावनाओं ने फैंस की उत्सुकता बढ़ा दी है। की एंड का 2' में होगी नई कहानी साल 2016 में रिलीज हुई फिल्म 'की एंड का' को दर्शकों ने अलग तरह की कहानी और रिश्तों को नए नजरिए से दिखाने के लिए पसंद किया था। फिल्म में करीना कपूर खान और अर्जुन कपूर मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। अब इसके सीक्वल को लेकर चर्चा है कि मेकर्स पहली फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने के बजाय एक नई कहानी के साथ फ्रेंचाइजी को आगे ले जाने की तैयारी कर रहे हैं।

कियारा से किया गया संपर्क

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार,'की एंड का 2' के लिए फीमेल लीड रोल निभाने के लिए कियारा आडवाणी से संपर्क किया गया है। कहा जा रहा है कि फिल्म की टीम कियारा को इस किरदार के लिए उपयुक्त मान रही है। हालांकि,अभी बातचीत शुरुआती चरण में है और अभिनेत्री की ओर से आधिकारिक सहमति का इंतजार है।

मेल लीड की तलाश जारी

फिल्म के लिए केवल फीमेल लीड ही नहीं,बल्कि मेल लीड रोल के लिए भी कलाकार की तलाश की जा रही है। मेकर्स ने अभी तक फिल्म की पूरी कास्ट को अंतिम रूप नहीं दिया है। फिल्म की कहानी, किरदार और कलाकारों को लेकर आने वाले समय में और जानकारी सामने आ सकती है।

आर. बाल्की की अलग पहचान

निर्देशक आर.बाल्की अपनी फिल्मों में अलग तरह के विषयों को पेश करने के लिए जाने जाते हैं। चीनी कम','पा','शमिताभ'और 'की एंड का'जैसी फिल्मों में उन्होंने रिश्तों और सामाजिक सोच को नए अंदाज में दिखाने की कोशिश की है। 'की एंड का 2' को लेकर भी उम्मीद जताई जा रही है कि फिल्म रिश्तों और आधुनिक सोच से जुड़े किसी नए विषय को सामने ला सकती है।

कियारा का बढ़ता फिल्मी ग्राफ

कियारा आडवाणी ने पिछले कुछ वर्षों में बॉलीवुड में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। 'कबीर सिंह','गुड न्यूज','शेरशाह' और 'भूल भुलैया 2' जैसी फिल्मों से उन्होंने दर्शकों के बीच खास जगह बनाई। उनकी एक्टिंग के साथ-साथ उनकी स्क्रीन प्रेजेंस को भी काफी पसंद किया जाता है। यही वजह है कि बड़े फिल्म निर्माता लगातार उन्हें अपनी फिल्मों में लेने की कोशिश कर रहे हैं।

फैंस को आधिकारिक घोषणा का इंतजार

फिलहाल 'की एंड का 2' को लेकर केवल रिपोर्ट्स सामने आई हैं। अगर कियारा आडवाणी इस फिल्म का हिस्सा बनती हैं तो यह उनके फैंस के लिए बड़ी खबर होगी। अब सभी की नजर मेकर्स और कियारा की ओर से होने वाली आधिकारिक घोषणा पर है। 'की एंड का 2' की कास्टिंग और कहानी को लेकर आने वाले दिनों में और अपडेट सामने आने की उम्मीद है।

कहां गुम हैं विकराल और गबराल के गबरू?

3 फुट के एक्टर को कभी हाइट पर मिले ताने, 23 साल बाद फिर चर्चा में केके गोस्वामी

हॉरर शो विकराल और गबराल से मशहूर हुए एक्टर केके गोस्वामी को भला कोई कैसे भूल सकता है। कभी हाइट को लेकर ताने सुनने वाले केके गोस्वामी एक समय पर टीवी ही नहीं फिल्म इंडस्ट्री का भी जाना-माना नाम बन चुके थे,लेकिन लंबे समय से किसी शो में नजर नहीं आए हैं। 90 के दशक के अंत और 2000 के दशक की शुरुआत के दौरान एंटरटेनमेंट की दुनिया में हॉरर फिल्मों के साथ-साथ हॉरर शोज को लेकर भी जबरदस्त क्रेज था। 2000 के दशक की ही दौरान टीवी पर एक शो आया, जिसका नाम विकराल और गबराल है,जिसमें डर,मिस्ट्री और एडवेंचर का जबरदस्त डोज था। शो में महानायक विकराल और नन्हा गबरू मिलकर बुरी ताकतों को काबू में करते थे। 2003 में टेलीकास्ट हुए इस शो में गबरू की भूमिका निभाकर केके गोस्वामी उर्फ कृष्णकांत गोस्वामी ने खूब सुर्खियां बटोरीं और उन दिनों कई टीवी शोज में दिखाई दिए। लेकिन, अब सालों से केके गोस्वामी लाइमलाइट से दूर हैं और किसी टीवी शो या मूवी में नजर नहीं आए हैं। इस बीच केके गोस्वामी लंबे समय बाद दिखाई दिए। कुकू कोहली की प्रेयर मीट में केके गोस्वामी को लंबे समय बाद देखा गया।

कुकू कोहली की प्रेयर मीट में पहुंचे केके गोस्वामी

विकराल और गबराल की कहानी के साथ-साथ कास्ट भी बेहद शानदार थी। शो में मामिक सिंह और सलिल अंकोला ने विक्राल

और केके गोस्वामी ने गबरू उर्फ गबराल की भूमिका निभाई थी। हाल ही में केके गोस्वामी दिवंगत निर्देशक कुकू कोहली की प्रेयर मीट में पहुंचे,जहां विक्की कौशल-कैटरीना कैफ सहित कई फिल्मी हस्तियां पहुंची थीं। लंबे समय बाद केके गोस्वामी को देखकर फैंस को उन्हें पहचानने में जरा भी देर नहीं लगी। वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए कई सोशल मीडिया यूजर्स ने बताया कि कैसे केके गोस्वामी को देखकर उनकी बचपन की यादें ताजा हो गईं।

केके गोस्वामी को देख खुश हुए फैन

केके गोस्वामी को देखने के बाद कई सोशल मीडिया यूजर्स ने अपनी खुशी जाहिर की। एक ने कमेंट करते हुए लिखा-मेरे बचपन का गबराल,वो बेस्ट शो था। वहीं एक ने लिखा-ये तो विकराल और गबराल के गबरू हैं, सालों बाद नजर आए। वहीं कई ने उनके अन्य शोज जैसे हातिम,श्श्श... फिर कोई है जैसे शोज का जिक्र किया और बताया कि वह केके गोस्वामी को कितना मिस कर रहे हैं। कुछ ऐसे भी यूजर्स थे,जिन्होंने केके गोस्वामी के फिर पर्दे पर वापसी को लेकर सवाल किए और उम्मीद जताई कि शायद वह फिर अपने फेवरेट एक्टर को पर्दे पर देख सकें।

केके गोस्वामी के बारे में

केके गोस्वामी के बारे में बात करें तो उनका जन्म 3 सितंबर 1973 को बिहार के मुजफ्फरपुर में हुआ था और उनका पूरा नाम कृष्णकांत गोस्वामी है। केके गोस्वामी अपनी हाइट के लिए भी काफी चर्चा में रहे। केके गोस्वामी की हाइट 1.15 मीटर (3 फुट 9 इंच) है। एक समय पर अभिनेता को अपनी कम हाइट के लिए काफी ताने मिलते थे,लेकिन समय के साथ उन्होंने अपनी काबिलियत साबित की और एक समय पर मनोरंजन जगत के सबसे मशहूर एक्टर्स में शुमार हो गए। केके अभी भी एक्टिंग की दुनिया में एक्टिव हैं और आखिरी बार 2017 में त्रिदेवियां में नजर आए थे। केके गोस्वामी सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहते हैं और अपनी लाइफ से जुड़ी हर छोटी-बड़ी अपडेट शेयर करते रहते हैं।

ऑस्कर्स एकेडमी निकली नैना पगलू

शेयर किया ये जवानी है दीवानी का सनसेट वाला सीन,भारतीय फैंस के खिले चेहरे...

एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट एंड साइंसेसज ने सोशल मीडिया पर 2013 में रिलीज हुई ये जवानी है दीवानी का किले वाला सीन शेयर किया है, जिसमें नैना (दीपिका पादुकोण) बनी (रणबीर कपूर) को जिंदगी से जुड़ा खास मैसेज दे रही है। कुछ फिल्में ऐसी होती हैं, जो हमेशा यादों के किसी कोने में बसे रहते हैं। रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण स्टारर ये जवानी है दीवानी भी ऐसी ही फिल्मों में से एक है, जिसे रिलीज हुए 13 साल हो चुके हैं,लेकिन अब भी ये फिल्म और इसके किरदार दर्शकों के दिलों में बसे हैं। यूं तो इस फिल्म में कई शानदार और दिलचस्प सीन हैं, जो आज भी दर्शकों के पसंदीदा हैं,लेकिन क्या आप इस फिल्म के उस सीन के बारे में जानते हैं जो एकेडमी अवॉर्ड्स की भी फेवरेट है। जी हैं, अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी ये जवानी है दीवानी के एक सीन को एकेडमी की तरफ से अचानक सराहना मिली है। ये वी सीन है, जिसमें दीपिका पादुकोण का किरदार नैना और रणबीर कपूर का किरदार बनी एक किले पर बैठे होते हैं और नैना, बनी को जिंदगी से जुड़ी एक खास और जरूरी मैसेज देती है।

द एकेडमी ने शेयर किया ये जवानी है दीवाना का पॉपुलर सीन

द एकेडमी के ऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडल ने 'ये जवानी है दीवानी' के सबसे आइकॉनिक सीन का वीडियो शेयर किया है, जिसके बाद एक बार फिर ये किरदार सुर्खियों में आ गया है। इस सीन में नैना और बनी राजस्थान के चित्तौड़गढ़ के किले की छत में बैठे हैं। नैना नीले और सफेद सूट और गुलाबी दुपट्टे में नजर आ रही है और बनी सफेद शर्ट में। वीडियो शेयर करते हुए एकेडमी ने कैप्शन में लिखा-नैना की तरफ से एक रिमाइंडर-जो आपके ठीक सामने है,उसका आनंद लें।

नैना और बनी के बीच की बातचीत

वीडियो में नैना और बनी को किले की छत पर बैठकर सनसेट का आनंद लेते देखा जा सकता है। बनी, नैना से कहता है-और अगर हमें बाद में पता चला कि वो लाइट और साउंड शो,सॉलिड डांस शो निकला तो? जवाब में नैना कहती है- वो तो होगा ही धांसू...लेकिन अगर हम चले गए तो ये सॉलिड सनसेट मिस हो जाएगा न? कितना भी कोशिश करो बनी, लाइफ में कुछ न कुछ तो छूटेगा ही। तो जहां हैं,वहीं का मजा लेते हैं न।

सोशल मीडिया यूजर्स का रिएक्शन

जैसे ही एकेडमी ने ये जवानी है दीवानी का ये वीडियो शेयर किया, फैंस भी इस पर रिएक्ट किए बिना नहीं रह पाए। एक सोशल मीडिया यूजर ने कमेंट में लिखा-एकेडमी भी नैना पगलू निकली,ये मेरा भी फेवरेट है। वहीं एक अन्य ने लिखा- ये सिर्फ एक डायलॉग नहीं है, इसका बहुत ही गहरा अर्थ है और इसलिए ये हमेशा याद रखा जाएगा। एक और यूजर लिखता है- अकादमी भी एक नानी पगलू है। एक ने लिखा-क्या सच में एकेडमी ने ये जवानी है दीवानी का ये सीन शेयर किया है,कहीं मैं सपना तो नहीं देख रहा?

दीपिका पादुकोण और रणबीर कपूर का वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें तो दीपिका पादुकोण अब शाहरुख खान के साथ किंग और अल्लू अर्जुन के साथ राका में नजर आएंगी। दीपिका ने प्रेग्नेंसी में किंग की शूटिंग की, जिसकी कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आ चुकी हैं। वहीं रणबीर कपूर इन दिनों अपनी फिल्म लव एंड वॉर की शूटिंग में व्यस्त हैं। संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में रणबीर के साथ आलिया भट्ट और विक्की कौशल भी मुख्य भूमिका में होंगे। इसके अलावा इस दिवाली पर नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी रामायण रिलीज होगी, जिसमें रणबीर भगवान राम की भूमिका निभा रहे हैं और साई पल्लवी माता सीता की भूमिका में नजर आएंगी। सुपरस्टार यश इस मोस्ट अवेटेड फिल्म में रावण की भूमिका में नजर आने वाले हैं।

इमिग्रेंट्स जोक्स विवाद : मनोज बाजपेयी ने किया समय रैना का समर्थन

एक्टर मनोज बाजपेयी ने कॉमेडियन समय रैना के शो इंडियाज़ गॉट लेटेंट में दूसरे राज्यों से आकर बसे लोगों (इमिग्रेंट्स) के मज़ाक पर चल रहे विवाद पर अपनी बात रखी है। एक्टर ने हाल ही में अपनी आने वाली फ़िल्म लास्ट मैन इन टॉवर के प्रमोशन के दौरान मीडिया से बात की। जब उन्हें कॉमेडियन के शो में हुई उस घटना के बारे में बताया गया, जिसमें कॉमेडियन ने शेरोन वर्मा के साथ मज़ाक-मज़ाक में एक-दूसरे की जड़ों (बैकग्राउंड) का मज़ाक उड़ाया था तो इस पर प्रतिक्रिया देते हुए मनोज ने कहा,अगर यह सब मज़ाक में हो रहा है, तो मुझे इससे कोई परेशानी नहीं है। हमें खुद पर और एक-दूसरे पर हंसना सीखना चाहिए,और बिना बुरा माने या नाराज़ हुए साथ में हंसना चाहिए। तो,यही हमें सीखना चाहिए। हमें खुद पर मज़ाक करने की क्षमता होनी चाहिए,लेकिन साथ ही हमें सम्मान भी रखना चाहिए-न सिर्फ़ अपने लिए,बल्कि उस व्यक्ति के लिए भी जिसके साथ हम बैठे हैं और वह व्यक्ति कहाँ से आया है,इसके लिए भी। यह बहुत ज़रूरी है। अगर दो लोग एक-दूसरे के साथ सहज होते हैं,तो वे हमेशा एक-दूसरे पर हंसते हैं। इसके बाद एक्टर ने राजधानी में अपने शुरुआती दिनों का एक किस्सा सुनाया,जब एक बस ड्राइवर ने उनसे सख़्ती से बात की थी। उन्होंने आगे बताया,जब मैं दिल्ली में था,तब मैं 18 साल का था,और मैं बस में सामने वाले दरवाज़े से चढ़ने की कोशिश कर रहा था क्योंकि यह मेरा पहला अनुभव था। इसलिए,मुझे शहर के नियम नहीं पता थे। तो, ड्राइवर ने मेरी तरफ़ देखा और चिल्लाया,अरे बिहारी,पीछे वाले गेट से चढ़ो। उसे पता नहीं था कि मैं बिहार से हूँ,लेकिन असल में मैं बिहार से ही हूँ। तो,उसके लिए,जो भी व्यक्ति ऐसी बेवकूफ़ी भरी गलती करता था,वह बिहार से ही होता था। मुझे बुरा नहीं लगा क्योंकि पहली बात,वह सही था कि मैं बिहार से हूँ। दूसरी बात,मैं भी गलत नहीं था क्योंकि मैं शहर में नया था और मुझे कुछ भी पता नहीं था। लेकिन जब मेरी दोस्ती अलग-अलग राज्यों के लोगों से हुई,तो हम एक-दूसरे पर हँसा करते थे।

खेल समाचार

श्रीलंका से छीनी गई 2027 विमेंस चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी

नई दिल्ली,30 अगस्त 2026।

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल और श्रीलंका क्रिकेट के बीच चल रहे विवाद का खामियाजा एक बार फिर देश के क्रिकेट को भुगतना पड़ा है। श्रीलंका से साल 2027 में आयोजित होने वाली पहली आईसीसी महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी छीन ली गई है। 14 से 28 फरवरी तक खेले जाने वाले इस 6-टीमों के टूर्नामेंट के लिए नए मेजबान देश का फैसला आईसीसी की आगामी बोर्ड बैठक में लिया जाएगा।

सरकारी दखलअंदाजी के कारण छीन गई मेजबानी

श्रीलंका क्रिकेट में लगातार बढ़ रहे सरकारी हस्तक्षेप के कारण आईसीसी ने यह कड़ा कदम उठाया है। वर्तमान में श्रीलंका क्रिकेट का संचालन सरकार द्वारा गठित ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी कर रही है। आईसीसी के नियमों के अनुसार किसी भी सदस्य बोर्ड का संचालन स्वतंत्र होना चाहिए और उसमें राजनीतिक या

सरकारी हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए। ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी के सचिव प्रकाश शेफ्टर ने इस खबर की पुष्टि की और कहा, हां, इस टूर्नामेंट को श्रीलंका से बाहर स्थानांतरित कर दिया गया है। यह किसी अन्य स्थान पर खेला जाएगा, लेकिन फिलहाल यह तय नहीं है कि नया मेजबान कौन होगा।

श्रीलंका के लिए दूसरा बड़ा नुकसान

यह पहला मौका नहीं है जब श्रीलंका से किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी छीनी गई हो, साल 2023 में सरकारी हस्तक्षेप के चलते आईसीसी ने श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड को निलंबित कर दिया था,जिसके बाद 2024 अंडर-19 पुरुष विश्व कप की मेजबानी श्रीलंका से छीनकर दक्षिण अफ्रीका को सौंप दी गई थी।

क्वालिफिकेशन पर भी मंडराया खतरा

इस फैसले का असर श्रीलंका टीम की टूर्नामेंट में भागीदारी पर भी पड़ सकता है। मूल नियमों के अनुसार मेजबान देश होने के नाते श्रीलंका को 6 टीमों के इस टूर्नामेंट में सीधे प्रवेश मिलना था (श्रीलंका वर्तमान में आईसीसी रैंकिंग में छठे स्थान पर है)। अब यदि मेजबानी किसी ऐसी टीम को मिलती है जो रैंकिंग में नीचे है,तो श्रीलंका के क्वालिफिकेशन पर संकट खड़ा हो सकता है। हालांकि,आईसीसी ने अभी तक संशोधित क्वालिफिकेशन प्रक्रिया का ऐलान नहीं किया है।

इंग्लैंड जाएंगे भारतीय गेंदबाज आकिब नबी

सरे के लिए खेलेंगे काउंटी क्रिकेट, न्यूजीलैंड टूर पर टिकी हैं निगाहें

जम्मू-कश्मीर,30 अगस्त 2026।जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी के लिए यह साल किसी सपने के सच होने जैसा रहा है। रणजी ट्रॉफी जीतने से लेकर आईपीएल में डेब्यू और फिर भारतीय टेस्ट टीम तक पहुंचने वाले नबी अब इंग्लैंड में अपनी गेंदबाजी का दम दिखाने के लिए तैयार हैं। भारत के नवंबर में होने वाले न्यूजीलैंड दौरे को ध्यान में रखते हुए वह सरे के लिए काउंटी चैंपियनशिप के मुकाबले खेलेंगे।आकिब नबी अगले सप्ताह से सरे की ओर से काउंटी चैंपियनशिप डिवीजन वन के तीन मैचों में हिस्सा लेने वाले हैं। उन्हें शनिवार को जरूरी वर्क वीजा की मंजूरी मिल गई,जिसके बाद वह पहली उपलब्ध फ्लाइट से इंग्लैंड रवाना हो गए। उम्मीद है कि वह 2 सितंबर को द ओवल में यॉर्कशायर के खिलाफ होने वाले मुकाबले से अपना काउंटी डेब्यू करेंगे।

नबी का बिजी शेड्यूल

नबी को सितंबर 22 से पुडुचेरी में शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारत ए के चार दिवसीय मैचों के लिए समय पर स्वदेश लौटना है। वहीं, जम्मू- कश्मीर की टीम के सिलेक्टर्स ईरानी कप को लेकर नेशनल सिलेक्टर्स के फैसले का इंतजार कर रहे हैं। एक अक्टूबर से श्रीनगर में शुरू होने वाला ईरानी कप भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के दूसरे मैच से टकरा रहा है। ऐसे में नबी दोनों में से किसी एक टीम के लिए खेल सकते हैं।आकिब नबी को इस महीने की शुरुआत में श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में देर से शामिल किया गया था। जसप्रीत बुमराह को बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से फिटनेस क्लीयरेंस नहीं मिलने के बाद नबी को मौका मिला। हालांकि,दोनों टेस्ट में भारत ने केवल दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा को उतारा, जिसके कारण नबी को प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिल सकी।

एक्सीडेंट के बाद खली ने फैंस को दिया हेल्थ अपडेट

नई दिल्ली,30 अगस्त 2026।

डब्ल्यूडब्ल्यूई के मशहूर रेसलर और सोशल मीडिया स्टार द ग्रेट खली (दलीप सिंह राणा) हाल ही में अपनी कार के एक्सीडेंट को लेकर सुर्खियों में रहे। हरियाणा के पानीपत में टोल प्लाजा के पास उनकी एसयूव्ही गाड़ी की एक अन्य वाहन से टक्कर हो गई थी। हालांकि इस हादसे में खली को किसी तरह की चोट नहीं आई और वह पूरी तरह सुरक्षित हैं। हादसे की खबर सामने आने के बाद उनके फैंस में चिंता बढ़ गई थी। बड़ी संख्या में लोगों ने सोशल मीडिया और फोन के जरिए उनकी कुशलता के बारे में जानकारी ली। अब द ग्रेट खली ने खुद एक वीडियो जारी कर फैंस को भरोसा दिलाया है कि वह पूरी तरह ठीक हैं। द ग्रेट खली ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक सेल्फी वीडियो शेयर किया,जिसमें उन्होंने कहा कि हादसे के बाद कई दोस्तों और प्रशंसकों ने उन्हें फोन और मैसेज कर हालचाल पूछा। उन्होंने कहा कि वह बिल्कुल ठीक हैं। और इस हादसे में उन्हें कोई चोट नहीं लगी है। खली ने अपने फैंस का धन्यवाद करते हुए कहा कि लोगों की दुआओं और भगवान के आशीर्वाद से वह सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि हादसे में सिर्फ उनकी गाड़ी को थोड़ा नुकसान पहुंचा है, लेकिन यह कोई बड़ा हादसा नहीं था।

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर जिला-सूरजपुर (छत्तीसगढ)

क्रमांक/3133/वाचक-2/2025
सूरजपुर,दिनांक- 25/08/2026

//ईश्तहार//

सर्व साधारण ग्रामवासी /नगरवासी ग्राम/नगर बसदेई पा0ह0नं0....तहसील सूरजपुर जिला-सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक जगजीवन पिता स्व0 जीरोधन जाति रजवार निवासी ग्राम बसदेई पोस्ट बसदेई थाना सूरजपुर तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर ,छ0ग0 नें अपने बाबा स्व0 रूप साय पिता स्व0 चोरिहा की मृत्यु तिथि 25/10/1998 मृत्यु स्थान बसदेई के जन्म/मृत्यु पत्र हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है, जिसमें कार्यवाही की जा रही है।

अतः इस न्यायालय में जिस व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति / आक्षेप हो तो वे स्वय अथवा अपने अभिभावक द्वारा इस न्यायालय में दिनांक 08/09/2026 दिन मंगलवार को उपस्थित होकर दावा आपत्ति/ आक्षेप प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति/आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 25/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

सील

तहसीलदार
सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर जिला-सूरजपुर (छत्तीसगढ)

क्रमांक/3132/वाचक-2/2025
सूरजपुर,दिनांक- 25/08/2026

ईश्तहार

सर्व साधारण ग्रामवासी /नगरवासी ग्राम/नगर रामनगर पा0ह0नं0...तहसील सूरजपुर जिला-सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक सूरज प्रसाद सिंह पिता राम प्रसाद जाति गोंड निवासी ग्राम रामनगर पोस्ट रामनगर थाना विश्रामपुर तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर ,छ0ग0 नें अपने माता स्व0 कुशलता देवी पिता/पति राम प्रसाद की मृत्यु तिथि 16/05/2023 मृत्यु स्थान रामनगर के जन्म/मृत्यु पत्र हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है, जिसमें कार्यवाही की जा रही है।

अतः इस न्यायालय में जिस व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति / आक्षेप हो तो वे स्वय अथवा अपने अभिभावक द्वारा इस न्यायालय में दिनांक 08/09/2026 दिन मंगलवार को उपस्थित होकर दावा आपत्ति/ आक्षेप प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति/आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 25/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

सील

तहसीलदार
सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार, उदयपुर जिला सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0 492/अ-21/2026-26

:: ईश्तहार ::

ग्राम चकेरी प0ह0नं0 10,तहसील उदयपुर एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/ विक्रेता सुखनंदन आ0 छेदूराम समार कुंवर पति छेदूराम, दोनों जाति मझवार निवासी ग्राम चकेरी थाना तहसील उदयपुर के द्वारा स्वामित्व की भूमि खसरा नंबर 115/1, 117/1, 118/1, 130/1, 276/1, 450/1, 453/1, 553/3 कुल ख0न0 08, कुल रकबा 0.921 हे0 भूमि को पुत्र-पुत्रियों के विवाह एवं मकान बनाने के लये पैसों की आवश्यकता पड़ने पर साहूकारों से लिये कर्ज राशि को चुकता करने के लिए अनावेदक/ क्रेता ओमप्रकाश पिता मोहन राम, जाति कवर, निवासी ग्राम-चकेरी थाना व तहसील उदयपुर, जिला सरगुजा से विक्रय किये जाने का सौदा राशि रू0 4,50,000.00 (शब्दों में चार लाख पचास हजार रूपये) में तय कर अग्रिम बतौर राशि रू0 3,50,000.00 (शब्दों में तीन लाख पचास हजार रूपये) प्राप्त कर लिया गया है। शेष राशि रजिस्ट्री के समय राशि रू0 1,00,000.00 (शब्दों में एक लाख रूपये) आवेदकगणों द्वारा क्रेता से प्राप्त करेंगे। उक्त भूखण्ड को अनावेदक/ क्रेता के पास विक्रय किये जाने की अनुमति हेतु न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0), उदयपुर, जिला सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी तिथि 08 09 / 2020 के पूर्व इस न्यायालय में दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के उपरान्त किसी भी प्रकार का दावा / आपत्ति प्राप्त होने पर विचार नहीं किया जावे।

न्यायालय

आज दिनांक 19/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा द्वारा जारी ।

सील

तहसीलदार
,उदयपुर जिला-
सरगुजा (छ.ग.)

प्रदेश में 13.85 लाख से अधिक महिलाएं बनीं लखपति दीदी,481 महतारी सदनों का हो रहा निर्माण...

नारी के सम्मान,सुरक्षा और स्वावलंबन से ही बनेगा समृद्ध छत्तीसगढ़ : सीएम विष्णु देव साय

रायपुर,30 अगस्त 2026। जब नारी शक्ति आगे बढ़ती है तो उसके साथ परिवार, समाज और पूरा देश आगे बढ़ता है। महिलाओं को सम्मान, सुरक्षा,समान अवसर और आर्थिक स्वावलंबन प्रदान करना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। हमारी सरकार का संकल्प है कि छत्तीसगढ़ की हर बेटी को अपने सपने पूरे करने का अवसर मिले और हर महिला आत्मविश्वास एवं आत्मसम्मान के साथ आगे बढ़े। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय परिसर के अटल बिहारी वाजपेयी सभागृह में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग द्वारा आयोजित 'नारी शक्ति सम्मान समारोह' को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर चिकित्सा, शिक्षा, खेल,साइबर सुरक्षा, पत्रकारिता,कला एवं संस्कृति,कृषि,महिला उद्यमिता, सामाजिक सेवा और महिला सुरक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया। उन्होंने नारी शक्ति सम्मान समारोह पर आधारित ब्रोशर का विमोचन किया।

महिला आयोग न्याय के साथ जागरूकता का भी बने सशक्त माध्यम

मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. ममता साहू को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्हें अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील जिम्मेदारी मिली है। उनका सामाजिक एवं सार्वजनिक जीवन का अनुभव, कानून की समझ और उच्च शिक्षा इस दायित्व के निर्वहन में उपयोगी सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि डॉ. ममता साहू के नेतृत्व में राज्य महिला आयोग प्रदेश की माताओं-बहनों को न्याय दिलाने, उनके अधिकारों की रक्षा करने और पीड़ित महिलाओं तक कानूनी सहायता पहुंचाने में प्रभावी भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि महिला आयोग की भूमिका केवल शिकायतों के निराकरण तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। आयोग गांवों,कस्बों,जनजातीय और दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचे तथा महिलाओं को उनके कानूनी और संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक करे। महिलाओं को यह भरोसा होना चाहिए कि किसी भी कठिन परिस्थिति में शासन और उसकी संस्थाएं संवेदनशीलता के साथ उनके साथ खड़ी हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नारी शक्ति को मिले नए अवसर

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में नारी शक्ति को नई पहचान, सम्मान और आगे बढ़ने के अभूतपूर्व अवसर मिले हैं। 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान ने बेटियों के प्रति सामाजिक सोच में सकारात्मक बदलाव लाने का काम किया है। महिलाओं की भागीदारी और प्रतिनिधित्व बढ़ाने की दिशा में भी ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि आज देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का आसीन होना पूरे देश की नारी शक्ति के लिए गौरव और प्रेरणा का विषय है। प्रधानमंत्री मोदी की सोच है कि विकसित भारत की यात्रा महिलाओं के नेतृत्व और उनकी सक्रिय भागीदारी के बिना पूरी नहीं हो सकती। छत्तीसगढ़ सरकार भी इसी संकल्प के साथ प्रदेश की मातृशक्ति को विकास की मुख्यधारा में और अधिक मजबूती से जोड़ रही है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सम्मानित महिलाएं हमारी बेटियों के लिए प्रेरणा

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सम्मानित महिलाओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इन महिलाओं ने अपने परिश्रम,प्रतिभा, साहस और संकल्प से अलग-अलग क्षेत्रों में विशिष्ट पहचान बनाई है। उनकी उपलब्धियां केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं हैं,बल्कि उन हजारों बेटियों के लिए प्रेरणा हैं,जो अपने सपनों को साकार करने के लिए आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी महिलाओं का सम्मान वास्तव में उस नारी शक्ति का सम्मान है,जो परिवार को संस्कार देती है,समाज को दिशा देती है और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। छत्तीसगढ़ की महिलाएं आज खेती-किसानी से लेकर उद्यमिता,शिक्षा,खेल,सामाजिक सेवा और आधुनिक तकनीक तक हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी को सदैव सर्वोच्च स्थान दिया गया है। हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि जहां नारी का सम्मान होता है, वहां देवताओं का वास होता है। लक्ष्मी-नारायण, उमा-महेश्वर,सिया-राम और राधा-कृष्ण जैसे संबोधन हमारी उस सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक हैं,जिसमें नारी को शक्ति,करुणा, सृजन और संस्कार का आधार माना गया है। राज्य सरकार इसी भावना को योजनाओं और नीतियों के माध्यम से धरातल पर उतार रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं का आर्थिक स्वावलंबन उनके सशक्तिकरण की सबसे मजबूत नींव है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की 68 लाख से अधिक महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। योजना की 31 किस्तें महिलाओं के खातों में अंतरित की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि यह राशि केवल आर्थिक सहायता नहीं,बल्कि महिलाओं के आत्मसम्मान, आत्मविश्वास और अपने निर्णय स्वयं लेने की क्षमता को मजबूत करने का माध्यम बनी है। गांवों की महिलाएं इस राशि का उपयोग अपनी छोटी-छोटी आवश्यकताओं,बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य तथा स्वरोजगार से जुड़ी गतिविधियों में कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्षाबंधन जैसे महत्वपूर्ण पर्व को ध्यान में रखते हुए सरकार ने बहनों के खातों में सहायता राशि समय से पहले अंतरित की।

13.85 लाख से अधिक लखपति दीदियां बनीं आत्मनिर्भरता की पहचान

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश की महिलाएं आज स्व-सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिख रही हैं। सिलाई-कढ़ाई,कृषि एवं वनोपज आधारित गतिविधियों,लघु उद्योग और स्वरोजगार के साथ महिलाएं अब ड्रोन संचालन जैसे आधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में भी आगे बढ़ रही हैं। प्रदेश में 13 लाख 85 हजार से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। यह केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि लाखों परिवारों के जीवन में आए सकारात्मक आर्थिक परिवर्तन का प्रमाण है। सरकार का प्रयास है कि अधिक से अधिक महिलाओं को कौशल,पूंजी,बाजार और तकनीक से जोड़कर उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराए जाएं।

सरकार के पास पैसे नहीं,सारे काम रुके हैं : भूपेश

पूर्व सीएम का आरोप...अफसरों को स्पष्ट निर्देश नहीं,स्वार्थ के लिए कराया जा रहा काम

रायपुर,30 अगस्त 2026। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सरकार की आर्थिक स्थिति पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब सरकार के पास पैसा नहीं है तो विकास और जनकल्याण के काम कैसे होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार की कार्यप्रणाली में स्पष्टता नहीं दिखाई दे रही है और इसका असर अधिकारियों के कामकाज पर भी पड़ रहा है।

कांग्रेस ने नीति आयोग की रिपोर्ट का हवाला दिया

बघेल के बयान के बीच कांग्रेस ने नीति आयोग की 'वित्तीय स्वास्थ्य सूचकांक रिपोर्ट' का हवाला देते हुए राज्य की आर्थिक स्थिति पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस का दावा है कि छत्तीसगढ़ इस रिपोर्ट में 18 राज्यों में 17वें स्थान पर है। कांग्रेस के मुताबिक, राज्य का वित्तीय अनुशासन स्कोर एक साल में 56 से गिरकर 7.4 हो गया है। वहीं राजकोषीय घाटा तय लक्ष्य 2.99% के मुकाबले 5.32% तक पहुंचने का दावा किया गया है।

कांग्रेस के अनुसार, छत्तीसगढ़ सरकार पर कुल कर्ज करीब 1.79 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया है। पिछले वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा करीब 18,900 करोड़ रुपए था, जो चालू वित्त वर्ष में 20,400 करोड़ रुपए से ज्यादा होने का अनुमान जताया गया है। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार की आय बढ़ने के बावजूद कर्ज और ब्याज का बोझ लगातार बढ़ रहा है। पार्टी ने सरकार से नीति आयोग की रिपोर्ट पर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। कांग्रेस का दावा है कि पिछले ढाई साल में राज्य के कर संग्रहण और प्राप्तियों में करीब 60% की बढ़ोतरी हुई है। इसके बावजूद वित्तीय स्थिति मजबूत नहीं हुई। आरोप लगाया गया कि बजट में योजनाओं के लिए किए गए प्रावधानों का बड़ा हिस्सा भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी की भेंट चढ़ रहा है।

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में नक्सली डंप से बड़ी मात्रा में राइफलें,बीजीएल शेल और विस्फोटक बरामद

नारायणपुर,30 अगस्त 2026। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में अदनार के जंगल में चलाए जा रहे सर्चिंग अभियन के दौरान आज रविवार को सुरक्षाबलों ने जमीन में गाड़कर छिपाए गए हथियारों का बड़ा नक्सली डंप बरामद किया है। बरामद विस्फोटकों को घने जंगलों के बीच प्लास्टिक से कवर कर रखा गया था। बरामद नक्सली डंप से 10 रायफल, 2 ग्रेनेड लॉन्चर, 13 जिंदा बीजीएल शेल, 16 जिंदा कारतूस, 2 किलोग्राम विस्फोटक एवं 1 टेलिस्कोपिक साइट मिला है।

नारायणपुर एसपी संदीप कुमार पटेल ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि नक्सल गतिविधियों के खात्मे में महत्वपूर्ण सफलता के बाद सुरक्षा बल जंगलों में किसी भी तरह के पुराने हथियार डंप और विस्फोटक सामग्री को लेकर सतर्क हैं। नक्सलियों द्वारा लंबे समय से जंगलों और दुर्गम क्षेत्रों में छिपाकर रखे गए हथियारों और अन्य सामग्रियों की तलाश के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पुराने नक्सली डंप की बरामदगी से क्षेत्र में मौजूद नक्सली गतिविधियों को पूरी तरह समाप्त करने में मदद मिलेगी। साथ ही जंगलों में छिपाए गए हथियार और विस्फोटक भविष्य में किसी संभावित खतरे का कारण न बनें,इसके लिए सर्चिंग अभियान को लगातार जारी रखा जा रहा है। नारायणपुर पुलिस अधीक्षक पटेल, 129वीं वाहिनी बीएसएफ के कमांडेंट मुकेश कुमार के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (आप्स) अक्षय सबद्रा के मार्गदर्शन में नारायणपुर पुलिस और 129वीं वाहिनी बीएसएफ की संयुक्त टीम अदनार क्षेत्र के जंगल में सर्चिंग अभियान पर निकली थी। इसी दौरान ग्राम अदनार के उत्तर-पश्चिम दिशा में जवानों ने सघन तलाशी अभियान चलाया। इसमें सुरक्षा बलों को जंगल में नक्सलियों द्वारा पूर्व में छिपाकर रखा गया पुराना डंप मिला। जवानों ने डंप की तलाशी ली तो उसमें एक .303 राइफल, चार .315 राइफल और पांच 12 बोर राइफल मिलीं। इसके अलावा दो बैरल ग्रेनेड लांचर और एक टेलिस्कोपिक साइट भी मिली है। तलाशी के दौरान 13 जीवित बीजीएल शेल,12 बोर के 16 कारतूस और करीब दो किलो विस्फोटक भी बरामद किया गया।

उन्होंने बताया कि नक्सल मुक्त हो चुके बस्तर को पूरी तरह सुरक्षित बनाने के लिए अभियान के तहत उन स्थानों की भी तलाश की जा रही है, जहां नक्सलियों ने पहले हथियार,गोला-बारूद और विस्फोटक छिपाकर रखे थे। 31 मार्च के बाद भी बस्तर के अलग-अलग जंगलों में नक्सलियों द्वारा पहले छिपाकर रखे गए हथियार और विस्फोटक सुरक्षा बलों की सर्चिंग के दौरान मिल रहे हैं। नारायणपुर,बीजापुर और दंतेवाड़ा में हुई बरामदगियों से स्पष्ट है कि पुराने डंप की तलाश अभी भी सुरक्षा अभियानों का अहम हिस्सा बनी हुई है। इससे जंगलों में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने में भी सहायता मिलेगी।

रायगढ़ में दो सड़क हादसों में 2 लोगों की मौत...

ट्रक की चपेट में आने से महिला और बुजुर्ग ने तोड़ा दम,नाराज लोगों का चक्काजाम

रायगढ़,30 अगस्त 2026। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में रविवार सुबह सड़क हादसे में महिला की मौत हो गई। वह पति के साथ स्कूटी से उर्दना रोड की ओर जा रही थी। सड़क पर कीचड़ होने के कारण स्कूटी फिसल गई और वह सड़क पर गिर गई। इसी दौरान साइड से गुजर रहे ट्रक के पहियों की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है। वहीं,कोतरा रोड ओवरब्रिज पर तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से 70 साल के बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद आसपास के लोग आक्रोशित हो गए और कोतरा रोड ओवरब्रिज के पास चक्काजाम कर दिया। यह घटना कोतरा रोड थाना क्षेत्र की है। पहली घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, रायगढ़ निवासी नंदकुमारी सिंह (55) रविवार सुबह करीब 10 बजे अपने पति के साथ स्कूटी से ढिमरापुर रोड से उर्दना की ओर जा रही थीं। सड़क पर पानी गिरने के कारण कीचड़ था। इसी दौरान अचानक स्कूटी फिसल गई और नंदकुमारी सड़क पर गिर गईं। ऐसे में वह ट्रक की चपेट में आ गई, जिससे उसकी जान चली गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, यह सड़क लंबे समय से खराब है। बारिश के दौरान सड़क पर कीचड़ होने से लोग अक्सर फिसलकर गिरते हैं। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे भी हैं। सुबह से रात तक इस सड़क पर भारी वाहनों की आवाजाही रहती है। इससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। बारिश में कीचड़ और अन्य मौसम में धूल के कारण सड़क से गुजरने वालों की परेशानी बढ़ जाती है। दूसरी घटना कोतरा रोड थाना क्षेत्र की है।

छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू के 10 नए केस : मरीजों की संख्या 115 हुई,रायपुर में 3 नए संक्रमित,28 एक्टिव केस

रायपुर,30 अगस्त 2026। छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू यानी एच1एन1 का संक्रमण बढ़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग के ताजा आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश में 10 नए संक्रमित मिले हैं। इसके बाद स्वाइन फ्लू के कुल मरीजों की संख्या 105 से बढ़कर 115 हो गई है। एक्टिव मरीज भी 18 से बढ़कर 28 हो गए हैं।

रायपुर में 3 नए मरीज, एक्टिव केस 9 हुए : रायपुर में स्वाइन फ्लू के 3 नए मरीज मिले हैं। यहां कुल संक्रमितों की संख्या 51 से बढ़कर 54 हो गई है। एक्टिव केस भी 6 से बढ़कर 9 हो गए हैं। दुर्ग में 3 नए संक्रमित मिले हैं। इसके बाद यहां कुल मरीजों की संख्या 7 से बढ़कर 10 और एक्टिव मरीज 2 से बढ़कर 5 हो गए हैं। रायगढ़ में 2 नए मरीज मिले हैं। यहां कुल संक्रमितों की संख्या 5 से बढ़कर 7 और एक्टिव मरीज 2 से बढ़कर 4 हो गए हैं। बिलासपुर में भी 1 नया केस सामने आया है। यहां कुल संक्रमितों की संख्या 12 से बढ़कर 13 और एक्टिव मरीज 2 से बढ़कर 3 हो गए हैं। सरगुजा में 1 नया मरीज मिला है। इसके बाद यहां कुल संक्रमितों की संख्या 2 से बढ़कर 3 हो गई है। एक्टिव मरीज भी 0 से बढ़कर 1 हो गया है। स्वाइन फ्लू का संक्रमण अब उन जिलों में भी पहुंच गया है, जहां पहले कोई केस सामने नहीं आया था। बलौदाबाजार-भाटापारा, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी और उत्तर बस्तर कांकेर में 1-1 नया मरीज मिला है। तीनों मरीज फिलहाल एक्टिव हैं। धमतरी में अब तक 7 संक्रमित मिल चुके हैं, इनमें 4 एक्टिव हैं। कोरबा में 5 संक्रमितों में 1 एक्टिव और बेमेतरा में 3 संक्रमितों में 1 एक्टिव मरीज है। बस्तर में 2 मरीज मिल चुके हैं। इसके अलावा दंतेवाड़ा, गरियाबंद,जांजगीर-चांपा,जशपुर,महासमुंद, एमसीबी,राजनांदगांव और सूरजपुर में 1-1 मरीज मिल चुके हैं। इन जिलों में फिलहाल कोई एक्टिव केस नहीं है। रायपुर में केंद्रीय जेल में पदस्थ एक अधिकारी भी स्वाइन फ्लू संक्रमित हुए हैं। उनका इलाज रायपुर के रामकृष्ण हॉस्पिटल में चल रहा है। बताया गया है कि अधिकारी परिवार के साथ कांकेर गए थे। वहां उन्हें बुखार, सर्दी और सांस लेने में परेशानी हुई। जांच कराने पर एच1एन1 टेस्ट पॉजिटिव आया। स्वास्थ्य विभाग ने अधिकारी के परिवार के सदस्यों की कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग कर ली है। परिवार के अन्य सदस्य स्वस्थ हैं। अधिकारी सरगुजा में संक्रमित हुए या रायपुर-कांकेर प्रवास के दौरान, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है।

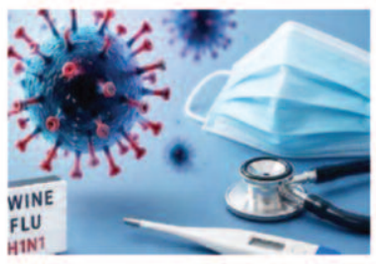

झीरम घाटी हत्याकांड : राष्ट्रीय जांच एजेंसी कोर्ट के फैसले से पहले टीएस सिंहदेव का बड़ा बयान...कहा...घटना की जिम्मेदारी भी तय होने पर न्याय मिलने का होगा संतोष...

जगदलपुर,30 अगस्त 2026। बहुचर्चित झीरम घाटी मामले में 31 अगस्त को राष्ट्रीय जांच एजेंसी कोर्ट का फैसले आने की उम्मीद है। इस फैसले से पहले पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने घटना के दिन की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठाया है। छत्तीसगढ़ के पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि वे खुद इस घटना के प्रत्यक्षदर्शी रहे हैं, और जगदलपुर पहुंचकर NIA के सामने अपनी आंखों देखी घटना का बयान दर्ज करा चुके हैं। ज्योग्राफिकमैप्स और जीपीएस गाइड एक्सप्लोर करना टीएस सिंहदेव के मुताबिक, घटना वाले दिन पूरे इलाके में पुलिस की मौजूदगी लगभग शून्य थी। रास्ते में कहीं भी पर्याप्त फोर्स तैनात नहीं थी। उन्होंने कहा कि उनके बयान में घटना से जुड़े सभी अहम पहलुओं को दर्ज कराया गया है। सिंहदेव ने कहा कि अगर जांच और फैसले में इन तथ्यों को जगह मिलती है, और इस घटना के लिए जिम्मेदारी भी तय होती है, तभी पीड़ितों और कांग्रेस नेताओं को न्याय मिलने का संतोष होगा।

सीएम साय ने सुनी'मन की बात'कहा...'नशामुक्त युवा,विकसित भारत' के संकल्प में सभी की भागीदारी जरूरी

रायपुर,30 अगस्त 2026। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित निरंजन धर्मशाला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 137वीं कड़ी का श्रवण किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 'मन की बात' केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं,बल्कि प्रधानमंत्री मोदी का देश के 140 करोड़ नागरिकों से आत्मीय संवाद का सशक्त माध्यम है। इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री देश के अलग-अलग हिस्सों में हो रहे नवाचारों, प्रेरक प्रयासों और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाले लोगों की उपलब्धियों को पूरे देश के सामने रखते हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि देशवासियों को प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाले 'मन की बात' कार्यक्रम की प्रतीक्षा रहती है। प्रधानमंत्री इसमें ऐसे अनेक विषयों और व्यक्तित्वों का उल्लेख करते हैं, जिनके बारे में सामान्यतः देश के लोगों को जानकारी नहीं मिल पाती। इससे जहां अच्छे कार्य करने वाले लोगों का उत्साह बढ़ता है,वहीं उनके प्रयास लाखों देशवासियों के लिए प्रेरणा बनते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश के दूरस्थ गांवों और छोटे-छोटे क्षेत्रों में अनेक लोग बिना किसी प्रचार और स्वार्थ के समाज तथा राष्ट्रहित में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। कोई पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे रहा है, कोई स्वच्छता के लिए कार्य कर रहा है, तो कोई स्थानीय संसाधनों के माध्यम से नवाचार कर अपने क्षेत्र में बदलाव ला रहा है। प्रधानमंत्री मोदी 'मन की बात' के माध्यम से ऐसे सामान्य लोगों के असाधारण कार्यों को राष्ट्रीय पहचान देते हैं। इससे देश में सकारात्मकता और जनभागीदारी की भावना मजबूत होती है तथा दूसरे लोगों को भी कुछ नया और बेहतर करने की प्रेरणा मिलती है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने आज 'नशामुक्त युवा, विकसित भारत'के संकल्प को लेकर महत्वपूर्ण संदेश दिया। युवा शक्ति विकसित भारत के निर्माण की सबसे बड़ी ताकत है। ऐसे में युवाओं को नशे से दूर रखना परिवार,समाज और राष्ट्र सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशा केवल किसी एक व्यक्ति के जीवन को प्रभावित नहीं करता,बल्कि उसके दुष्प्रभाव पूरे परिवार और समाज को झेलने पड़ते हैं। स्वस्थ,समर्थ और ऊर्जावान युवा पीढ़ी ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकती है। उन्होंने प्रदेशवासियों से नशामुक्ति के प्रयासों में सक्रिय भागीदारी निभाने और युवाओं को स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने'मन की बात'में 'हर घर तिरंगा'अभियान के प्रति देशवासियों के अभूतपूर्व उत्साह का भी उल्लेख किया। अभियान के अंतर्गत 8 करोड़ से अधिक देशवासियों ने तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी अपलोड की।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)